बैंकों के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों की दो दिन की हड़ताल शुरू, कामकाज प्रभावित

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रपति कोविन्द का बांग्लादेश दौरा : पाकिस्तानी सेना के बर्बाद किए काली मंदिर का करेंगे उद्घाटन

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 06 दिनांकः 17-12-2021 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

निजीकरण के विरोध में 9 लाख बैंक कर्मचारी हड़ताल पर

बैंकों के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों की दो दिन की हड़ताल शुरू, कामकाज प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में गुरुवार से शुरू सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों कर्मचारियों की दो दिन की हड़ताल से देश भर में बैंकों का कामकाज प्रभावित रहा। ग्राहकों को हड़ताल की जानकारी देने के साथ भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे सरकारी बैंकों की कई शाखाएं गुरुवार को बंद रहीं। शुक्रवार को भी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलायी है।

इस हड़ताल से शाखाओं में जमा और निकासी, चेक समाशोधन और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, कई जगहों पर एटीएम सही तरह से काम कर रहे थे। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक गुरुवार को 18,600 करोड़ रुपये के 20।4 लाख चेक से जुड़ा लेनदेन नहीं हो सका। एसबीआई सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

हालांकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज सामान्य दिनों की तरह रहा। किन्तु अंतर-बैंक चेक समाशोधन प्रभावित हुआ। उधर, महाराष्ट्र में यूएफबीयू के राज्य समन्वयक देवीदास तुलजापुरकर ने कहा कि मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 बैंक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक सभी वर्ग के अधिकारी हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। चेन्नई में बैंक कर्मचारियों के एक वर्ग ने काला बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र के कदम के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर में बैंक कर्मचारियों ने अंबेडकर सर्किल के पास एसबीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।वेंकटचलम ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, भाकपा, माकपा, तृणमूल कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों ने हड़ताल का समर्थन किया है।

स्थानीय अवकाश के चलते मेघालय में शनिवार 18 दिसंबर को भी बैंक बंद रहने वाले हैं। शनिवार को यू सोसो थाम की बरसी है। इसके चलते मेघालय में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। 24 दिसंबर को क्रिसमस के चलते मिजोरम में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 25 दिसंबर को क्रिसमस और महीने का चौथा शनिवार होने के चलते पूरे देश में बैंकों का काम बंद रहेगा। 26 दिसंबर को भी रविवार के कारण सभी जगह बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 27 दिसंबर को मिजोरम में क्रिसमस सेलिब्रेशन की छुट्टी है। मेघालय में 30 दिसंबर को यू कियांग नॉन्गबाह के उपलक्ष्य में बैंकों की छुट्टी होगी। महीने कि आ?खिरी दिन 31 दिसंबर को मिजोरम में नए साल की पूर्व संध्या पर बैंक बंद रहेंगे।

इंदिरा गांधी ने देश के लिए 32 गोलियां खाईं, लेकिन विजय दिवस समारोह में उनका नाम तक नहीं लिया गया - राहुल

नई दिल्ली (ईएमएस)। विजय दिवस समारोह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख न करने राहुल गांधी ने कहा कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने देश के लिए 32 गोलियां खाईं (1984 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी) लेकिन सरकारी कार्यक्रम में उनका नाम तक नहीं लिया गया। 1971 के युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी सत्ता में कांग्रेस सरकार के मुखिया थीं।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, ठहमारी पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री, इंदिरा गांधी, को भाजपा सरकार के विजय दिवस समारोह से बाहर रखा जा रहा है। यह उस दिन की 50वीं वर्षगांठ पर हो रहा है जब गांधी ने भारत को जीत दिलाई थी और बांग्लादेश को आजाद कराया था।ठ

उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, ठनरेंद्र मोदी जी... महिलाएं आपकी बातों पर विश्वास नहीं करतीं। आपका संरक्षण देने वाला रवैया अस्वीकार्य है। अब समय आ गया है कि आप महिलाओं को उनका हक देना शुरू करें।ठ

अपने ट्वीट के साथ, प्रियंका ने चार तस्वीरें पोस्ट कीं - जिसमें एक इंदिरा गांधी की घायल सैनिक से मिलते हुए की तस्वीर है और दूसरी उनकी सशस्त्र बलों के अधिकारियों से मिलने वाली तस्वीर शामिल है।

राहुल गांधी ने कहा, ठ(इंदिरा गांधी) ने देश के लिए 32 गोलियां खाईं, लेकिन 1971 युद्ध की वर्षगांठ के लिए दिल्ली में आयोजित हुए सरकारी कार्यक्रम में उनका नाम तक नहीं लिया गया।ठ

इससे पहले गुरुवार को संसद के दोनों सदनों ने युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सैनिकों के बलिदान से ठभविष्य की पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगीठ और राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने उनके ठनिडर साहस के प्रदर्शनठ की प्रशंसा की।

लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होगी, कैबिनेट का प्रस्ताव मंजूर

-स्वतंत्रता दिवस 2020 के संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस बारे में संकेत दिए थे

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने की दिशा में केंद्र सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है। मोदी सरकार ने महिलाओं की शादी की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी है और कैबिनेट ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। देश में पुरुषों की शादी की कानूनी उम्र 21 साल है। साल 2020 में स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में संकेत दिए थे, अब सरकार इस पर अमल करती दिख रही है।

सूत्रों के मुताबिक बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसको मंजूरी दी गई, अब सरकार बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 में एक संशोधन पेश करेगी और इसके परिणामस्वरूप विशेष विवाह अधिनियम और व्यक्तिगत कानूनों जैसे हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 में संशोधन लाएगी।

बुधवार की मंजूरी दिसंबर 2020 में जया जेटली की अध्यक्षता वाली केंद्र की टास्क फोर्स द्वारा नीति आयोग को सौंपी गई सिफारिशों पर आधारित है, जिसका गठन ''मातृत्व की उम्र से संबंधित मामलों, एमएमआर (मातृ मृत्यु दर) को कम करने की अनिवार्यता, पोषण में सुधार और स्तर और संबंधित मुद्दे '' से संबंधित मामलों की जांच के लिए किया गया था। बता दें कि पहले हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 5 (ग्ग) दुल्हन के लिए न्यूनतम आयु 18 साल और दूल्हे के लिए 21 साल निर्धारित थी।

देश में विवाह के लिए पुरुषों और महिलाओं की न्यूनतम आयु निश्चित करने के महत्वपूर्ण कारण होते हैं। सबसे प्रमुख सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी कारण यह है कि इससे बाल विवाह की कुप्रथा पर अंकुश लगाने में सहायता मिलती है। भारत में बाल विवाह एक बड़ी समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के ताजा आंकड़ों की बात करें तो 2019-20 में देश में बाल विवाह की दर 23 प्रतिशत थी। 2015-16 में यह 27 प्रतिशत थी। विवाह के लिए न्यूनतम आयु से अवयस्कों के शोषण को भी कम किया जा सकेगा।

केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु को 21 वर्ष करने का निर्णय कई कारणों से किया जिनमें लिंग के प्रति तटस्थता (जेंडर न्यूट्रैलिटी) भी शामिल है। कम आयु में विवाह होने से महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी भी कई परेशानियां देखी जाती हैं। जल्दी विवाह के बाद जल्दी गर्भाधान से स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो सकता है, मां और बच्चे में पोषण की समस्या भी सामने आती है और समग्र रूप से जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में भी विवाह की न्यूनतम आयु बढ़ाकर कमी लाई जा सकती है।

बेटियों को कुपोषण से दूर रखने और सही आयु में विवाह करने के लिए केंद्र सरकार ने एक समिति बनाई थी। बीते साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जानकारी दी थी। समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता में बनी समिति को महिलाओं में कुपोषण, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु देर, एनीमिया और अन्य सामाजिक मानकों तथा विवाह की न्यूनतम आयु में संबंध का अध्ययन कर रिपोर्ट देनी थी। समिति ने देश के 16 विश्वविद्यालयों में वयस्क युवाओं से इस मामले में राय ली। दूरदराज व ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं की सलाह लेने के लिए 15 गैरसरकारी संगठनों की सहायता ली गई। सभी धर्मों के युवाओं से सलाह लेने के बाद समिति ने महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु को 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की संस्तुति की। इस समिति में नीति आयोग के सदस्य डा. वीके पाल सहित कई मंत्रालयों के सचिव भी शामिल थे। जया जेटली की अध्यक्षता वाली समिति ने आयु बढ़ाने के अलावा भी कई सिफारिश सरकार से की हैं। इनमें स्कूल, कालेजों तक बालिकाओं की पहुंच सुलभ करने और उनके लिए सुगम व सुरक्षित परिवहन की भी सलाह दी गई है। यौन शिक्षा और कौशल विकास पर भी समिति ने जोर दिया है। इसने कहा है कि आयु सीमा में वृद्धि की बात का प्रचार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

कुछ बाल व महिला अधिकार कार्यकर्ता और परिवार नियोजन व जनसंख्या विशेषज्ञ महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु बढ़ाने की बात से सहमत नहीं हैं। इनका मानना है कि इस प्रकार के अधिनियम से अवैध विवाह की संख्या बढ़ेगी। यह वर्ग अपने मत के पक्ष में यह तर्क भी देता है कि महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होने के बावजूद देश में बाल विवाह पर रोक नहीं लग सकी है।

विपक्ष के हंगामे के बीच वित्त मंत्री ने पेश किया दूसरा अनुपूरक बजट

-अनुपूरक बजट से यूपी के किसानों, बेरोजगारों, कर्चारियों को साधने की कवायद

लखनऊ(ईएमएस)। यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के हंगामे के बीच चालू वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया है। वित्त मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022-23 के आय-व्ययक को सदन के पटल पर रखा। खन्ना ने 2022-23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया विपक्षी सदस्यों के हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी गयी। वित्त मंत्री ने 8 हज़ार 479 करोड़ का अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश किया। गुरुवार पूर्वाह्न 11 बजे विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के आसन पर बैठते और कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने चंदौली जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक प्रभु नारायण यादव के पुलिस उत्पीड़न का मुद्दा उठाते हुए सदन में चर्चा कराने की मांग की। इस बीच कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग लेकर दल के सदस्यों के साथ अध्यक्ष के आसन के समक्ष में आकर नारेबाजी करने लगीं।

इसके बाद सपा और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के सदस्य भी आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022-23 के आय व्ययक को सदन के पटल पर रखा। हंगामा बढ़ते देख विधानसभा अध्यक्ष दीक्षित ने 11 बजकर 17 मिनट पर विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी। चालू वित्तीय वर्ष में सरकार अपना दूसरा अनुपूरक बजट लेकर आ आई है। योगी सरकार अनुपूरक बजट के जरिए किसानों, श्रमिकों, बेरोजगारों और राज्य कर्मियों को साधने की कवायद में है।

प्राकृतिक खेती से देश के 80 प्रतिशत किसान को होगा सबसे अधिक फायदाः पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्राकृतिक खेती विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में किसानों को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नरेन्द्र सिंह तोमर, गुजरात के राज्यपाल, गुजरात और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री उपस्थित थे। किसानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब आज़ादी के 100वें वर्ष तक का जो हमारा सफर है, वो नई आवश्यकताओं, नई चुनौतियों के अनुसार अपनी खेती को ढालने का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 6-7 साल में बीज से लेकर बाज़ार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर सैकड़ों नए बीज तक, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने इस आयोजन से जुड़े सभी किसानों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा ये सही है कि केमिकल और फर्टिलाइज़र ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है। लेकिन ये भी उतना ही सच है कि हमें इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करते रहना होगा। उन्होंने कीटनाशकों और आयातित उर्वरकों के खतरों के प्रति आगाह किया, जिससे इनपुट की लागत बढ़ जाती है और स्वास्थ्य को भी नुकसान होता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि खेती से जुड़ी समस्याओं के विकराल होने से पहले बड़े कदम उठाने का ये सही समय है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना ही होगा। जब मैं प्रकृति की प्रयोगशाला की बात करता हूं तो ये पूरी तरह से विज्ञान आधारित ही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया जितना आधुनिक हो रही है, उतना ही 'बैक टू बेसिक'की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस बैक टू बेसिक का मतलब क्या है? इसका मतलब है अपनी जड़ों से जुड़ना! इस बात को आप सब किसान साथियों से बेहतर कौन समझता है? हम जितना जड़ों को सींचते हैं, उतना ही पौधे का विकास होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ठकृषि से जुड़े हमारे इस प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फ फिर से सीखने की ज़रूरत है, बल्कि उसे आधुनिक समय के हिसाब से तराशने की भी ज़रूरत है। इस दिशा में हमें नए सिरे से शोध करने होंगे, प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक फ्रेम में ढालना होगा। प्रधानमंत्री ने प्राप्त किए गए ज्ञान के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा, ''जानकार ये बताते हैं कि खेत में आग लगाने से धरती अपनी उपजाऊ क्षमता खोती जाती है। हम देखते हैं कि जिस प्रकार मिट्टी को जब तपाया जाता है, तो वो ईंट का रूप ले लेती है। लेकिन फसल के अवशेषों को जलाने की हमारे यहां परंपरा सी पड़ गई है।''उन्होंने कहा कि एक भ्रम ये भी पैदा हो गया है कि बिना केमिकल के फसल अच्छी नहीं होगी जबकि सच्चाई इसके बिलकुल उलट है। पहले केमिकल नहीं होते थे, लेकिन फसल अच्छी होती थी। मानवता के विकास का, इतिहास इसका साक्षी है। उन्होंने कहा, ठनई चीजें सीखने के साथ-साथ हमें उन गलत प्रथाओं को दूर करने की जरूरत है जो हमारी कृषि में आ गई हैं।ठ श्री मोदी ने कहा कि आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र जैसे संस्थान कागजों से परे व्यावहारिक सफलता तक ले जाकर इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

ब्रिक्स संगठन देशों ने माना भारत की अध्यक्षता में संगठन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिक्स (ब्राजील,रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) में भारत की अध्यक्षता का कार्यकाल समापन के निकट पहुंचने के बीच, विकासशील देशों के संगठन के सदस्य देशों ने स्वीकार किया कि इस वर्ष संगठन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत हुई। इस साल की गतिविधियों ने निरंतरता,समेकन और आम सहमति के सिद्धांतों को मजबूत करके सहयोग को बढ़ाया है। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शेरपाओं और सूस शेरपाओं की चौथी और अंतिम समापन बैठक के दौरान इसका उल्लेख किया था। भारत के ब्रिक्स शेरपा के रूप में बैठक की अध्यक्षता सचिव (कांसुलर, पासपोर्ट, वीजा और प्रवासी भारतीय मामलों) संजय भट्टाचार्य ने की थी। ब्रिक्स में दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देश हैं, जो वैश्विक आबादी के 41 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 16 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में इस साल की गतिविधियों की समीक्षा की। भारत ने अपनी अध्यक्षता में संगठन के लिए विषय चुना था, निरंतरता, समेकन और आम सहमति की खातिर अंतर-ब्रिक्स सहयोग।भारत ने अपनी अध्यक्षता के लिए प्राथमिकता वाले चार क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की। इनमें बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार, आतंकवाद का मुकाबला, 'एसडीजी' प्राप्त करने के लिए डिजिटल और तकनीकी औजारों का उपयोग तथा लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देना शामिल हैं।विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस साल ब्रिक्स की करीब 150 बैठकें और समारोह हुए, जिनमें से 20 मंत्रिस्तरीय थे। बयान में कहा गया कि बुधवार को हुई बैठक के दौरान 'ब्रिक्स गैवेल और हैंडओवर रिपोर्ट' चीन को सौंपी गई। अगले साल एक जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन करेगा। चीन ने अपनी अध्यक्षता में ब्रिक्स की प्राथमिकताओं की भी जानकारी दी। उसमें कहा गया कि ब्रिक्स देशों ने 2021 में भारत की अध्यक्षता की सराहना की।

चाचा शिवपाल से गठबंधन पर बनी सहमतिः अखिलेश यादव

-फेसबुक पोस्ट के जरिए पूर्व सीएम ने गठबंधन पर लगाई मुहर

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी साथ मैदान में उतरेंगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को यह ऐलान किया। अपने चाचा और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे अखिलेश यादव ने फेसबुक पोस्ट के जरिए इस गठबंधन पर मुहर लगाई। बता दें समाजवादी पार्टी में पड़ी फूट के बाद शिवपाल सिंह यादव ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का गठन कर लिया था। अखिलेश यादव ने फेसबुक पर चाचा शिवपाल के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- ''प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से मुलाक़ात हुई और गठबंधन की बात तय हुई। क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है।''

दोनों ही पार्टियों के बीच गठबंधन के पिछले काफी दिनों से कयास लगाए जा रहे थे। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने सीतापुर जिला जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता और सांसद आजम खान से मुलाकात की थी। दोनों वरिष्ठ नेताओं की यह मुलाकात करीब 2 घंटे तक चली थी। इस मुलाकात के बाद शिवपाल यादव ने कहा था कि ''जल्द ही खुशखबरी मिलने वाली है। यह विलम्ब नहीं है, यह रणनीति है। कब क्या करना है, कैसे करना है आपके सामने यह रणनीति नहीं बता सकते।'' चाचा-भतीजे की इस मुलाकात पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा है कि, जब सपा और बसपा का गठबंधन भाजपा पर कोई असर नहीं डाल पाया तो इस गठबंधन का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा पहले सपा को अपने और जनता के बीच की खाई को पाटना चाहिए। इसके बाद आपसी दूरी कम करे तो समझ में आए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान शिवपाल सिंह यादव सरकार के अहम मंत्री के तौर पर काम कर चुके हैं। मुलायम सिंह की सरकार के समय से ही शिवपाल यादव का ओहदा कद्दावर नेता का रहा है। 2017 विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद यादव परिवार में दूरियां आ गई थीं। जिसके बाद शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी छोड़ दी थी। बता दें आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी अब तक राष्ट्रीय लोक दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के साथ गठबंधन किया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के साथ भी अखिलेश यादव की बातचीत सकारात्मक रही है। वहीं इससे पहले शिवपाल सिंह मुलायम सिंह यादव की इच्छा का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी में अपनी प्रसपा के विलय का इशारा भी कर चुके हैं।

हिन्दू एकता महाकुंभ में आरआरएस प्रमुख भागवत का आव्हान, हिन्दू धर्म छोड़ने वालों की घरवापसी कराए

चित्रकूट (ईएमएस)। चित्रकूट में चल रहे 3 दिवसीय हिन्दू एकता महाकुंभ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिन्दू धर्म छोड़ने वालों की घरवापसी का आह्वान किया है।उन्होंने कहा कि भय ज्यादा दिन तक बांध नहीं सकता है। हम लोगों को जोड़ने के लिए काम करने वाले है। महाकुंभ में शामिल हुए लोगों को उन्होंने इसका संकल्प भी दिलाया।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने संकल्प दिलाकर कहा, मैं हिन्दू संस्कृति का धर्मयोद्धा मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की संकल्प स्थली पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि मैं अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति और हिन्दू समाज के संरक्षण संवर्धन और सुरक्षा के लिए आजीवन कार्य करूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि किसी भी हिन्दू भाई को हिन्दू धर्म से विमुख नहीं होने दूंगा। जो भाई धर्म छोड़ कर चले गए हैं, उनकी भी घर वापसी के लिए कार्य करूंगा। उन्हें परिवार का हिस्सा बनाऊंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि हिन्दू बहनों की अस्मिता, सम्मान व शील की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करूंगा। जाति, वर्ग, भाषा, पंथ के भेद से ऊपर उठकर हिन्दू समाज को समरस सशक्त अभेद्य बनाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य करूंगा।'

बता दें कि हिन्दू महाकुंभ की शुरुआत मंगलवार को 1100 शंखों के नाद से हुई। इस दिवसीय महाकुंभ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अलावा देश की कई बड़ी हस्तियां मौजूद हैं। महाकुंभ का आयोजन तुलसीपीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम को श्री श्री रविशंकर ने संबोधित कर कहा कि कुछ लोग जुटते हैं,तब भय पैदा होता है। जबकि जहां संत और हिन्दू इक्टठा होते हैं वहां अभय मिलता है। उन्होंने कहा कि देश भक्ति और ईश्वर भक्ति एक ही है। जो देशभक्त नहीं है,वहां ईश्वर भक्त भी नहीं हो सकता।

रविशंकर ने हिन्दू महाकुंभ के 12 मुद्दों का समर्थन किया। ये मुद्दे हैं, राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक श्रीराम मंदिर, देवस्थानों की परंपरा नष्ट कर रहा सरकारी नियंत्रण, धर्मांतरण की अंतर्राष्ट्रीय साजिश, देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी, सामान नागरिकता का मिले अधिकार, लव जेहाद से युवा पीढ़ी में भटकाव, भारतीय दर्शन आधारित शिक्षा जरूरी, धर्म में व्यसन का त्याग हो अनिवार्य, गौरक्षा के हों ठोस प्रयास, मातृ शक्ति को सशक्त बनाना जरूरी, हिंदू धर्म के बारे में दुष्प्रचार बंद हो और पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगे।

‘विशिष्ट अतिथि’ राष्ट्रपति कोविंद विजय दिवस परेड में शामिल हुए

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में अपनी जीत के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे कार्यक्रम में विजय दिवस परेड में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ''विशिष्ट अतिथि'' के रूप में भाग लिया। इस परेड में शानदार एरोबेटिक्स और रक्षा हथियारों का प्रदर्शन कर सैन्य शक्ति को दर्शाया गया। बांग्लादेशी राष्ट्रपति एम अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में मंत्रियों, राजनयिकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति थी। परेड में भारतीय सेना के तीनों अंगों से 122 सदस्यीय त्रि-सेवा दल ने भी हिस्सा लिया। भारतीय सेना ने मार्च पास्ट किया, परेड देखने पहुंचे लोगों ने उनका उत्साहवर्धन कर बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत के योगदान को स्वीकार किया।

अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर राष्ट्रपति कोविंद बांग्लादेश के विजय दिवस की स्वर्ण जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में ''विशिष्ट अतिथि'' के रूप में शामिल हुए। प्रधानमंत्री शेख हसीना को परेड ग्राउंड पर मार्च-पास्ट, फ्लाईपास्ट, एरोबेटिक्स प्रदर्शन, विभिन्न रेजिमेंट के शस्त्रों के प्रदर्शन और सशस्त्र बलों की टुकड़ियों की सराहना करते हुए देखा गया। इससे पहले राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर माल्यार्पण कर मुक्ति संग्राम के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आज के ही दिन 1971 में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के नेतृत्व में भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर पूर्वी पाकिस्तान को ''बांग्लादेश'' घोषित किया गया।

कार्टून कोना

चुनाव लड़ने को लेकर राकेश टिकैत का बड़ा बयान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों के संघर्ष को सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। टिकैत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है और लोगों को राजनीतिक होर्डिंग्स पर अपनी तस्वीरों का इस्तेमाल करने पर चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा, मेरा किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। टिकैत बुधवार देर रात गांव सिसौली में किसानों को संबोधित कर रहे थे, जब वह 383 दिनों के धरने के बाद घर लौटे। राकेश टिकैत ने कहा हमारा संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। मैं अंतिम सांस तक किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहूंगा। टिकैत अपने समर्थकों के एक बड़े जुलूस में सिसौली पहुंचे और पूरे रास्ते फूलों से रैली में वर्षा की गई। मेरठ-मुजफ्फरनगर राजमार्ग पर हर चौराहे पर 'लड्डू' बांटे गए और गाजीपुर सीमा से मुजफ्फरनगर तक हर 25 किलोमीटर पर लंगर का आयोजन किया गया। राकेश टिकैत ने कहा हमारा संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। मैं अंतिम सांस तक किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहूंगा।ठ टिकैत अपने समर्थकों के एक बड़े जुलूस में सिसौली पहुंचे और पूरे रास्ते फूलों से रैली में वर्षा की गई।

अगले एक महीने में ओमिक्रॉन ज्यादा खतरनाक हो सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोविड-19 के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन ने कई देशों को अपनी चपेट में ले लिया है।नए वेरिएंट के संक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं।ब्रिटेन और अमेरिका में ओमिक्रॉन ने अपना डरावना रूप दिखाना शुरू कर दिया है।इस बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने ओमिक्रॉन को लेकर बड़ी चेतावनी दी है।अर्थशास्त्री गोपीनाथ ने कहा कि अगले एक महीने में ओमिक्रॉन ज्यादा खतरनाक हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी उम्मीद जाहिर की हैं, कि ओमिक्रॉन डेल्टा की तुलना में कम गंभीर होगा।

गोपीनाथ ने कहा कि अगले एक दो महीने में ओमिक्रॉन ज्यादा संक्रामक हो सकता है जिससे संक्रमितों की संख्या में तेजी आ सकती है और इससे अस्पताल भी प्रभावित हो सकते हैं।उन्होंने कहा कि यदि ओमिक्रॉन अपनी रफ्तार बढ़ाता है,तब फिर दुनिया भर में एक बार फिर से यात्रा प्रतिबंध लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय सबसे जरूरी है वैक्सीनेशन, क्योंकि हमें अब भविष्य में कोविड-19 के नए टीके मिलते रहने वाले हैं। आईएमएफ की चीफ इकोनॉमिस्ट का बयान उस समय पर आया है जब ओमिक्रॉन कई देशों में गंभीर रूप से फैल चुका है।भारत में भी तेजी से संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं।देश के कुल 11 राज्यों में ओमिक्रॉन फैल चुका है और अब तक इसके 77 मामले सामने आ चुके हैं।

डब्ल्यूएचओ चीफ डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेबियस ने जानकारी दी थी कि अब तक कुल 77 देश ओमिक्रॉन की चपेट में है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि अगर ओमिक्रॉन कम गंभीर बीमारी का कारण बनता है, हमारी स्वास्थ्य प्रणाली एक बार फिर से बुरी तरह से ठीक उसी तरह से प्रभावित हो सकती है जिस तरह से डेल्टा के दौरान हुई थी।इंस्टीटयूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के निदेशक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने कहा कि हमें उम्मीद करनी चाहिए कि दक्षिण अफ्रीका में इस संक्रमण के बाद जो हो (हल्के लक्षण) रहा है भारत में भी उसी तरह का प्रभाव वायरस का दिखे।लेकिन उन्होंने चेताया कि एक हल्का वायरस भी एक स्वास्थ्य प्रणाली को झुकाने की हिम्मत रखता है।

रक्षामंत्री राजनाथ ने भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय के 50 साल पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय की स्वर्णजयंती के अवसर पर आज 16 दिसबर, को नई दिल्ली में भारतीय डाक द्वारा तैयार विशेष दिवस आवरण और स्मारक डाक टिकट जारी किया। साथ ही दिसंबर 2020 में शुरू हुए वर्ष भर के 'स्वर्णिम विजय वर्ष' समारोहों का भी समापन हुआ। पाकिस्तानी सशस्त्र सेनाओं के आत्मसमर्पण और उस पर भारतीय सेनाओं की निर्णायक विजय की याद में 16 दिसंबर को प्रतिवर्ष 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन पाकिस्तान की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुला खान नियाज़ी ने पूर्वी क्षेत्र में अपनी निर्णायक पराजय को स्वीकार करते हुए आत्मसमर्पण के कागजों पर दस्तखत किए थे। भारत की ओर से पूर्वी क्षेत्र के भारत और बांग्लादेश की सेनाओं के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा ने इन कागजात पर दस्तखत किए थे। इस आत्मसमर्पण कार्यक्रम में पूर्वी नौसैनिक कमान के फील्ड ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल एन कृष्णन और पूर्वी वायुसैनिक कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ एयर मार्शल एच सी दीवान भी उपस्थित थे।

जन हितैषी

अयोध्या-काशी एजेंडे में

उत्तर प्रदेश में जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी में विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का शिलान्यास पिछले साल ही कर चुके हैं। विश्वनाथ धाम के लोकार्पण समारोह को भाजपा बिग शो बनाने में कामयाब रही है और इसमें बड़ी सियासी हस्तियों के अलावा देश भर से आए बड़े साधु संतों ने हिस्सा लिया। विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण भाजपा ने लोकार्पण समारोह को मेगा इवेंट बनाने के लिए व्यापक तैयारियां कर रखी थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम अपने प्रयासों में पूरी तरह कामयाब होती दिखी और इसके जरिए बड़ा सियासी संदेश देने की कोशिश की गई। विश्वनाथ धाम के लोकार्पण समारोह की कामयाबी के बाद भाजपा को सियासी फायदा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। काशी में विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के मौके पर भाजपाई दिग्गजों के साथ ही 12 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का भी जमावड़ा लगा। भाजपा इस पूरे आयोजन को बिग शो बनाकर बड़ा सियासी मकसद हासिल करने की कोशिश में जुटी हुई है। मीडिया पर भी इस कार्यक्रम को व्यापक कवरेज मिला है और इसके जरिए पार्टी घर-घर तक दस्तक देने में कामयाब हुई है।

काशी के बाद अब भाजपा ने अयोध्या में मेगा शो किया है। यहां सारे भाजपाई मुख्यमंत्री एक साथ पहली बार पहुंचे। उत्तर प्रदेश सहित देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपने हिन्दुत्व और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्दे को और धार देने में जुट गई है। सबसे बड़ी लड़ाई उत्तर प्रदेश में होनी है। सो रणभेरी भी इसी जमीन से बजाई जा रही है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के साथ ही वहां महीनेभर श्रृंखलाबद्ध आयोजित कार्यक्रम होंगे। काशी में होने वाले भव्य कार्यक्रम से अब अयोध्या को भी जोड़ दिया गया है। मोदी सरकार में यह पहला अवसर है जब प्रदेश में सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का जुटना हुआ। मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, असम के हेमंत बिस्वा सरमा, मणिपुर के नोंगथोम्बम बीरेन सिंह, त्रिपुरा के बिप्लब कुमार देव, गुजरात के भूपेंद्रभाई पटेल और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत अयोध्या पहुंचे। इसके अलावा बिहार के डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी, अरुणाचल के डिप्टी सीएम चाउना मीन भी इस टीम में शामिल रहे। 1991, 1992 और 2020 के बाद ये पहली बार है जब देशभर की कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां एकसाथ अयोध्या में रहीं। 1991 में कल्याण सिंह जब मुख्यमंत्री बने थे, तब वह मंत्रिमंडल के अपने साथी सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बनाने की शपथ ली थी। दरअसल भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में काशी मॉडल को आधार बनाकर माहौल बनाना चाहती है। अयोध्या, काशी और मथुरा शुरुआत से संघ और भाजपा के एजेंडे में शामिल रहे हैं। रामजन्मभूमि विवाद के समाधान और मंदिर निर्माण को भाजपा अपनी उपलब्धि के रूप में विभिन्न माध्यमों से प्रचारित कर रही है। उसके साथ अब काशी विश्वनाथ कॉरीडोर को भी जोड़ दिया गया है। जहां तक अयोध्या का सवाल है तो भाजपा की योजना 2024 तक मंदिर निर्माण के काम को पूरा करने की है। ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में उसका लाभ लिया जा सके। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को काशी के बाद अयोध्या ले जाकर भाजपा अपनी संकल्प शक्ति का संदेश देना चाहती है।

''सहयोग का संकल्प''

(लघुकथा) कहते है कि मन में यदि कुछ कर गुजरने की ललक हो तो छोटी सी शुरुआत भी एक बड़ा परिवर्तन ला सकती है। दुर्गा भी इसी कार्य में संलग्न थी। हुआ यूँ कि दुर्गा ने अपने आसपास एक नवजात बच्चे को कई दिव्यांगताओं से ग्रस्त देखा। उसका हृदय दुःख से भर गया। बच्चे के प्रति नियति के न्याय से उसे मन ही मन गहरा आघात लगा। ऐसी दर्दनाक स्थिति से और बच्चे सामना न करें इसके लिए उसने लोगों को जागरूक करने का संकल्प किया। उसकी एक मित्र गाइनाकोलोगीस्ट थी। दुर्गा ने उनसे सही जानकारी एकत्र करी और गाँव-गाँव जाकर अपनी वाणी से ही सहयोग की प्रक्रिया पूरी की। कई बार अच्छी सलाह अस्वीकार भी कर दी जाती है और कहीं-कहीं खुले दिल से उसका स्वागत भी होता है।

दुर्गा चाहती थी कि यदि वह किसी एक नवजात की भी रक्षा कर पाती है तो यह भी उसके उद्देश्य को सार्थक सिद्ध करने में सहयोगी बन सकेगा। कई बार सहयोग के लिए अर्थ और साधनों की भी जरूरत नहीं होती, केवल सहयोग के संकल्प से भी ऊंची उड़ान भरी जा सकती है। चूँकि गर्भावस्था एक कठिन समय है। यह 9 महीने भ्रूण के विकास में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसमें पोषण की भी अत्यधिक भूमिका है। हमारा आचार-विचार, खान-पान और उचित चिकित्सकीय सलाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दुर्गा की एक और विशेषता यह भी थी कि वह बिना उम्मीद और अपेक्षाओं के कार्य करने को तत्पर रहती थी। वह कुछ समय कुछ बेहतर प्रयास को देना चाहती थी। जीवन अनेक विषमताओं का संगम है। हर किसी की अपनी सोच और अपने तरीके हो सकते है। बस कदम बढ़ाने की आवश्यकता है।

इस लघु कथा से यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में कुछ अपने मन का अवश्य करें जिससे आप बेहतर महसूस का सकें। दुर्गा ने सहयोग का संकल्प बिना किसी स्वार्थ के केवल नवजात की सुरक्षा के ध्येय को लेकर किया। उसने प्रत्येक परिस्थिति के लिए स्वयं को तैयार कर रखा था। वह किसी भी प्रकार के अपेक्षित व्यवहार के लिए तैयार थी। अतः जब कुछ नवीन करें हर परिस्थिति के लिए स्वयं को तैयार करें। (लेखिका-डॉ. रीना रवि मालपानी /ईएमएस)

दैनिक पंचांग

17 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2021 वर्ष का 351 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास मृगशीर्ष
पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी अहोरात्र।
नक्षत्र कृत्तिका 10.40 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 08.13 बजे को समाप्त।
करण गर 18.03 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 21'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871100
जूलियन दिन 2459565.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उलावल
तारीख 12
विशेष पिशाचमोचनी यात्रा।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.30 बजे से
चंद्र	वृष में	मकर	08.39 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	10.25 बजे से
बुध	धनु में	मीन	11.58 बजे से
गुरु	कुंभ में	मेष	13.29 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.09 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	17.07 बजे से
राहु	वृष में	कर्क	19.20 बजे से
केतु	वृश्चिक में	सिंह	21.36 बजे से
राहुकाल		कन्या	23.48 बजे से
10.30 से		तुला	01.59 बजे से
12.00 बजे तक		वृश्चिक	04.14 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली -7139

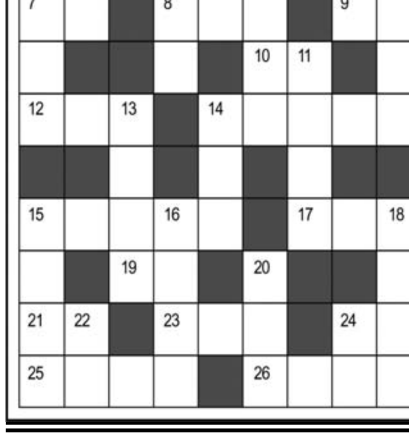

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -7138 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तमाशा बनते अवसरवादी 'धर्म परिवर्तन'

मुसलमानों के शिया समुदाय से संबंध रखने वाले लखनऊ निवासी वसीम रिज़वी ने गत 6 दिसंबर को अपना धर्म परिवर्तित कर हिन्दू धर्म स्वीकार करने की घोषणा की। शिया सेंट्रल वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन पद पर रहते हुए रिज़वी के विवादित होने से लेकर पिछले दिनों उनके द्वारा की गयी धर्म परिवर्तन की घोषणा तक उनसे जुड़े कई विवाद ऐसे हैं जिन्हें समझने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि उनके हिन्दू धर्म स्वीकार करने की असल वजह क्या इस्लाम धर्म के प्रति उनके दिल में पनप रही नफ़रत थी ? क्या उन्हें इस्लाम की तुलना में सनातन हिन्दू धर्म वास्तव में अधिक प्रभावित व आकर्षित कर रहा था ? या फिर उनके समुदाय के धर्मगुरुओं व उनके समर्थकों ने वसीम रिज़वी के विरुद्ध उन्हें डराने, धमकाने, उन्हें अपमानित करने उनका सामाजिक बहिष्कार करने यहाँ तक कि उन्हें इस्लाम धर्म से ख़ारिज करने जैसी जो एक लंबी मुहिम छेड़ी जिसकी वजह से उनके सामने इसके सिवा कोई रास्ता ही न बचा कि वे इस्लाम व शिया समुदाय से अपना नाता तोड़ किसी अन्य धर्म में पनाह हासिल करें ?

अन्य बोर्डस व निगमों की ही तरह शिया वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन के पद पर आम तौर से सत्ता के किसी क़रीबी व्यक्ति की ही नियुक्ति की जाती है। परन्तु वसीम रिज़वी की राजनैतिक कुशलता का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वह 1995 से लेकर 2020 तक अपने पद पर बने रहे। यानी मुलायम सिंह यादव, मायावती, अखिलेश यादव से लेकर योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने तक रिज़वी अपने पद पर मज़बूती से डटे रहे। शिया समुदाय के कुछ वरिष्ठ धर्म गुरुओं द्वारा वसीम रिज़वी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाये गए। उनपर वक़्फ़ बोर्ड की संपत्ति लूटने लुटाने के आरोप लगे। जवाब में रिज़वी ने भी अपने विरोधी धर्मगुरुओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया। दोनों पक्षों की ओर से सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने व एक दूसरे को अपमानित करने का सिलसिला छिड़ा। वसीम रिज़वी को पद से हटाने के लिये लखनऊ में प्रदर्शन किये गये परन्तु रिज़वी के 'राजनैतिक कौशल' ने उन्हें उनके पद से टस से मस नहीं होने दिया।

परन्तु बार बार धर्मगुरुओं से हो रहे टकराव व उन्हें मिलने वाली धमकियों के बीच वे अपनी प्रतिरक्षा की ख़ातिर बड़ी ही आसानी से इस्लाम व मुस्लिम विरोधी ताक़तों के हाथों का खिलौना बन गये। एक के बाद एक उनके कई ऐसे बयान आने लगे जिसे सुनकर यह आसानी से समझा जा सकता है कि वे इस्लाम विरोधी शक्तियों के हाथों का खिलौना बन चुके हैं। अपने बयानों के चलते रिज़वी कई बार विवादों में घिरे हैं और उन पर इस्लाम-विरोधी होने का आरोप भी लगा है। इस्लामी धर्मगुरुओं द्वारा उन्हें इस्लाम से खारिज़ भी कर दिया गया। कभी उन्होंने बाबरी मस्जिद 'ढांचे' को हिन्दुस्तान की धरती पर कलंक बताया तो कभी देश की नौ विवादित मस्जिदों को हिंदुओं को सौंपने जैसा बयान दिया। कभी उन्होंने चांद तारे वाले हरे झण्डे को इस्लामी झण्डे के रूप में प्रयोग करने पर आपत्ति जताई, तो कभी मदरसों को आतंकी ट्रेनिंग का गढ़ बताया, उन्होंने मदरसों को बंद करने की बात भी कही, मुसलमानों को उन्होंने जनसंख्या बढ़ोत्तरी का ज़िम्मेदार बताया। और कुछ समय पूर्व तो उनके भीतर इस्लाम के प्रति द्वेष इस हद तक नज़र आया कि उन्होंने इसी वर्ष मार्च महीने में क़ुरआन शरीफ़ की 26 आयतों को विवादित बताते हुये इन्हें क़ुरआन से हटाने के लिए उच्चतम न्यायलय में जनहित याचिका तक डाली। हालांकि उच्चतम न्यायलय ने उनकी याचिका ख़ारिज कर दी और उनपर जुर्माना भी लगाया। उनका कहना था कि क़ुरआन की इन आयतों से आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है।

अपने 'मुसलमान' होने के अंतिम दिनों में पिछले दिनों उन्होंने पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद पर 'मोहम्मद' नमक एक ऐसी पुस्तक लिखी जिसे लेकर इस्लामी जगत में उनका विरोध और भी मुखर हो गया। देश में कई जगह उनके विरुद्ध प्रदर्शन हुए, उनके पुतले जलाये गये और कई जगह पुलिस रिपोर्ट भी दर्ज की गयी। ज़ाहिर है जो वसीम रिज़वी भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में शामिल थे और जिन्हें मौलवियों व उनके समर्थकों द्वारा धमकाया, डराया व निशाना बनाया जा रहा था उन्होंने अचानक इस्लाम व इस्लामी मान्यताओं विरोधी रुख़ अपनाकर विमर्श का रुख़ ही बदल दिया। वर्तमान सत्ता जिसका आधार ही इस्लाम व मुस्लिम विरोध है, उसने रिज़वी को संरक्षण दिया। जो रिज़वी मुसलमानों, क़ुरआन व इस्लाम में सुधारों की बातें करते थे उन्हीं के विरुद्ध उनके एक नौकर की पत्नी ने बलात्कार का आरोप भी लगाया। वसीम रिज़वी ने अपनी विवादित पुस्तक विमोचन से लेकर धर्म परिवर्तन तक का जो 'नाटक' रचा इसमें उनको संरक्षण देने वाले मुख्य किरदार हैं गाज़ियाबाद ज़िले के डासना के महाकाली मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती। इस मंदिर व महन्त का नाम भी तब सुर्ख़ियों में आया था जब एक प्यासे मुसलमान बालक ने मंदिर के बाहर लगे सार्वजनिक पियाऊ से पानी पीने की कोशिश की थी। और उसे महंत के चेलों ने इसलिये पीटा था कि उसने मुसलमान होकर मंदिर के पियाऊ से पानी क्यों पिया। उसके बाद ही महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती मीडिया की सुर्ख़ियां बने।और बाद में उन्होंने प्रसिद्धि का 'शॉर्टकट' अपनाने के लिये इस्लाम, महिला व मुस्लिम विरोध को ही अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। इन्हीं महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती ने वसीम रिज़वी की पुस्तक का विमोचन भी किया और इन्हीं ने उनको सनातन हिन्दू धर्म में शामिल करने की दीक्षा भी दी। गोया मुसलमान बच्चे को मंदिर का पानी पीने का विरोध करने वाले महंत को मुस्लिम घराने के ही वसीम रिज़वी के प्रति इतना प्रेम उमड़ा कि महंत जी ने उन्हें न केवल हिन्दू धर्म में शामिल कराया बल्कि उन्हें अपने ''त्यागी गोत्र' में शामिल कर अपनी संपत्ति में हिस्सा देने की घोषणा तक कर डाली।

वसीम रिज़वी से जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी बनने तक के उनके विवादित जीवन में जो चीज़ सबसे महत्वपूर्ण नज़र आती है वह है उनका धर्मगुरुओं से लगातार चलने वाला टकराव। न कि हिन्दू धर्म के प्रति उनका आकर्षण या प्रेम। इसका सबसे बड़ा सुबूत यह भी है कि उनके निरंतर इस्लाम विरोध व धर्म गुरुओं से उनके टकराव के बीच कथित तौर पर जब यह 'फ़तवा' आया कि रिज़वी को मरणोपरांत क़ब्रिस्तान में दफ़्न करने की जगह नहीं मिलेगी। उसी समय उन्होंने लखनऊ के एक क़ब्रिस्तान में अपने लिये क़ब्र की एक जगह ख़रीद ली। ज़ाहिर है वह मरणोपरांत इस्लामी रीति रिवाज से ही अपना अंतिम संस्कार चाहते थे तभी उन्होंने अपनी क़ब्र की जगह ख़रीदी ?आज वे हिन्दू धर्म स्वीकार करने के बाद मरणोपरांत अपना दाह संस्कार चाह रहे हैं? निश्चित रूप से किसी भी धर्म या विश्वास को मानना या स्वीकार करना किसी भी व्यक्ति का अति व्यक्तिगत विषय है। इसमें किसी को भी विरोध या आपत्ति का कोई अधिकार नहीं। परन्तु इस तरह के अवसरवादी 'धर्म परिवर्तन' को धर्म परिवर्तन नहीं बल्कि तमाशा ही कहा जायेगा। (लेखक- तनवीर जाफ़री /ईएमएस)

बहुत जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

(पर्यावरण चिंतन)

दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्त्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा की न्यूनतम मात्रा का उपयोग करने और इसके अनावश्यक उपयोग से बचने को ही 'ऊर्जा संरक्षण' कहा जाता है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग से बचते हुए कम से कम ऊर्जा का उपयोग करना है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का कहना है कि ऊर्जा संरक्षण योजना को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण को शामिल करना चाहिए। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। इसका अहम उद्देश्य देश में ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना ही है। इसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी) भी स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। पर्यावरण संरक्षण पर अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है।

अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। यथासंभव खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में मैंने स्पष्ट उल्लेख किया है कि कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में किस प्रकार वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है।

हालांकि दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्त्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है लेकिन ऊर्जा की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरन्तर तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। अक्षय ऊर्जा असीमित और प्रदूषणरहित ऊर्जा है, जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा संरक्षण की आदतों को अपनाने के साथ ही ऐसे अक्षय ऊर्जा संसाधनों की ओर कदम बढ़ाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत भी अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है।

प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि हमें हमारा और हमारी भावी पीढ़ियों का भविष्य सुखद बनाना है तो हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। दरअसल न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं) (लेखक-योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

आज का इतिहास 17 दिसंबर

1538 इंग्लैंड नरेश हेनरो आवे ने स्वयं को चर्च का मुखिया घोषित किया.
1645 जहांगीर की बेगम नूरजहां की मौत हुई.
1903 विल्बर और ओर्विले राइट ने पहली बार विमान में पूरी तरह नियंत्रित उड़ान भरी.
1909 बेल्डियम नरेश लियोपोल्ड द्वितीय का निधन.
1929 भगत सिंह और राजगुरू ने सहायक पुलिस अधीक्षक सांडर्स को पुलिस अधीक्षक स्काट को धोखे में गोली मार दी.
1940 गांधीजी ने अपना सत्याग्रह आंदोलन स्थगित कर दिया था.
1957 अमरीका ने अंतरमहाद्वीपीय प्रक्षेपास्त्र का पहला परीक्षण किया.
1967 आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री हारोल्ड होल्ट तैरते समय डूब गए.
1971 भारत पाकिस्तान युद्ध की समाप्ति के साथ 90 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्म समर्पण किया.
1967 दामोही ने सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.
1973 अरब छापामारों ने रोम के हवाई अड्डे पर 32 लोगों को मार डाला.
1983 मेड्रिड में एक डिस्को में आग से 83 व्यक्ति मारे गए.
1989 ब्राजील में 29 वर्ष बाद पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए सीधा चुनाव हुआ.
1996 राष्ट्रसंघ महासभा ने कोफी अन्नान को महासचिव नियुक्त किया.
1997 उक्रेन का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिससे 70 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई.
1999 भारतीय जनता पार्टी के अपाध्यक्ष कृष्णलाल शर्मा का निधन.

यूएई ने अमेरिका के साथ 23 अरब डॉलर की एफ-35 लड़ाकू विमानों की डील रोकी

दुबई (ईएमएस)। अमेरिका के साथ संयुक्त अरब अमीरात ने एफ-35 लड़ाकू विमानों और ड्रोन डील को लेकर चल रही बातचीत को रद्द कर दिया है। यह सैन्य सौदा करीब 23 अरब डॉलर का था। खाड़ी देशों में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी यूएई के साथ इस दुर्लभ विवाद से बाइडेन प्रशासन को करारा झटका लगा है। यूएई के अमेरिका स्थित दूतावास ने ऐलान किया कि वह बाइडेन प्रशासन के साथ बातचीत को रोक रहा है। इस ऐलान के बाद भी यूएई और अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के बीच अन्य मुद्दों पर इस सप्ताह बातचीत तय कार्यक्रम के मुताबिक होगी। दूतावास ने कहा कि अमेरिका आगे भी पसंदीदा रक्षा उपकरण प्रदाता बना रहेगा और भविष्य में एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान कार्यकाल के अंतिम दिनों में 50 एफ-35 लड़ाकू विमानों को लेकर समझौता हुआ था।

इस डील के बाद यूएई ने औपचारिक रूप से इजरायल को मान्यता दे दी थी। इस बीच अमेरिका में बाइडेन प्रशासन के सत्ता में आने के बाद इस सौदे को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बाइडेन प्रशासन ने यमन में यूएई और सऊदी अरब की भूमिका को देखते हुए इस डील को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इस डील के तहत 18 अत्याधुनिक ड्रोन दिए जाने थे जो हवा से हवा और हवा से जमीन तक मार करने वाली मिसाइलों से लैस थे। यूएई ने कहा कि अमेरिका दबाव डाल रहा था कि कहां और किस परिस्थिति में एफ-35 विमान का इस्तेमाल करना है, यह वह तय करेगा। खाड़ी देश ने कहा कि यह उसकी संप्रभुता का उल्लंघन है। वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनका प्रशासन इस प्रस्तावित सौदे के प्रति अभी प्रतिबद्ध बना रहेगा। साथ यूएई के साथ इस संबंध में बातचीत करता रहेगा। वहीं पेंटागन के प्रवक्ता ने जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका की अमेरिकी हथियारों को लेकर शर्तें वहीं हैं जो दुनिया के अन्य देशों के साथ हैं। यूएई ने हाल ही में फ्रांस के साथ राफेल विमानों को लेकर बड़ा सौदा किया है।

खेल-समाचार

गांगुली ने विराट के बयान पर प्रतिक्रिया से किया इंकार

बीसीसीआई सही तरीके से मामले को हल करेगी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने टेस्ट कप्तान विराट कोहली के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गांगुली ने कहा है कि बीसीसीआई सही तरीके से इस मामले को इल करेगी। विराट ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि बोर्ड अध्यक्ष ने उन्हें टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने की कोई बात नहीं कही थी। वहीं इससे पहले गांगुली ने कहा था कि विराट से कहा गया था कि वह कप्तान बने रहें पर उन्होंने इंकार कर दिया था। इसके बाद सीमित ओवरों का एक कप्तान चाहिये था, इसलिए विराट की जगह रोहित शर्मा को ही एकदिवसीय का भी कप्तान बनाया गया। गांगुली ने कहा, 'मैं इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, हम सही तरीके से इस मामले को हल करेंगे, इसे आप बीसीसीआई पर ही छोड़ दीजिए।'

वहीं टी20 विश्व कप 2021 से पहले विराट ने घोषणा कर दी थी कि वह भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान बने रहेंगे, लेकिन इस टूर्नामेंट के बाद टी20 टीम की कप्तानी नहीं करेंगे। इसके बाद जब उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तान से हटा दिया गया तभी से विवाद बढ़ता गया है। गांगुली ने यह भी कहा था कि रोहित को एकदिवसीय कप्तान बनाए जाने को लेकर चयन समिति और बीसीसीआई की विराट से बात हुई थी।

वहीं विराट ने कहा था कि उन्हें एकदिवसीय कप्तानी को लेकर पहले से कुछ नहीं कहा गया था। बैठक से ठीक पहले ही उन्हें इस बारे में जानकारी दी गयी थी। वहीं दूसरी बात यह कि विराट ने साफ कहा कि उन्हें कभी भी टी20 कप्तानी के फैसले को बदलने के लिए नहीं कहा गया था। साथ ही कहा था कि वह बीसीसीआई के किसी भी फैसले पर सवाल नहीं उठा रहे हैं।

सिंधु विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हुएल्वा (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु स्पेन में जारी विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप (बीडब्लूएफ) के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय खिलाड़ी ने पोर्नपावी को लगातार गेमों में 21-14, 21-18 से हराया।

अब सिंधु का सामना अगले मुकाबले में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से होगा। वहीं दूसरी ओर पोनप्पा और सिक्की की भारतीय जोड़ी महिला युगल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की जोंगकोलफन किथिथाराकुल और राविंदा प्राजोंगजय की जोड़ी के सामने टिक नहीं पायी। थाई खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए पोपन्ना और सिक्की को 21-13, 21-15 से हराया।

150 टेस्ट मैच खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बने ब्रॉड

एडिलेड (ईएमएस)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट सीरीज में गुरुवार से शुरु हुए दिन-रात्रि के दूसरे टेस्ट मैच में मैदान में उतरने ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रॉड इस मैच में मैदान में उतरते ही 150 टेस्ट मैच खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। अब ब्रॉड से आगे केवल हमवतन तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ही हैं। एंडरसन ने इंग्लैंड की ओर से 167 टेस्ट मैच खेलें हैं जबकि कुक ने 161 टेस्ट मैच खेले हैं।

वहीं सबसे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर नंबर एक पर हैं। सचिन ने सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलें हैं, वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग हैं। वॉ और पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 168 टेस्ट मैच खेलें हैं।

तीन से 14 मार्च तक भारत में होगी सैफ चैंपियनशिप

नई दिल्ली (ईएमएस)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि अगले साल महिलाओं की अंडर-18 और अंडर-19 सैफ चैंपियनशिप का आयोजन भारत में होगा। सैफ अंडर-18 चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 14 मार्च तक होगा जबकि सैफ अंडर-19 प्रतियोगिता 25 जुलाई से तीन अगस्त तक खेली जाएगी। भारतीय टीम अभी ढाका में महिला सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में खेल रही है। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मेजबान भारत सैफ अंडर-18 महिला चैंपियनशिप में भाग लेंगे। पांच टीमें राउंड रोबिन प्रारूप में एक दूसरे से खेलेगी। जिसके बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। सैफ अंडर-19 प्रतियोगिता में छह टीम भाग लेंगी। भारत के अलावा भूटान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका की टीम भी इस टूर्नामेंट में शामिल होगी। छह टीम को तीन-तीन टीम के दो समूहों में रखा जाएगा। ग्रुप चरण राउंड रोबिन प्रारूप के अनुसार होगा जिसमें सभी टीमें एक दूसरे से एक बार खेलेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

संन्यास की घोषणा के समय भावुक हुए फुटबॉलर सर्जियो

दिल की बिमारी के कारण लेना पड़ा यह फैसला

बार्सिलोना (ईएमएस)। बार्सिलोना की ओर से खेलने वाले अर्जेंटीना के स्ट्राइकर सर्जियो एगुएरो ने खराब सेहत के कारण फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। एगुएरो को स्पेनिश लीग में 30 अक्टूबर को अलावेस के खिलाफ हुए मैच में सीने में दर्द के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद उनके दिल की कई जांच भी हुईं थीं। एगुएरो इस दौरान संन्यास की घोषणा करते हुए भावुक भी हुए। इस अवसर पर बार्सिलोना के खिलाड़ी, बोर्ड के सदस्य, एगुएरो के परिजन और पूर्व साथी भी उपस्थित थे।

इस खिलाड़ी ने कहा, मैं यहां रुककर अपने साथी खिलाड़ियों की मदद करना चाहता था पर हर बात के पीछे कोई कारण होता है। साथ ही कहा कि उन्होंने 10 दिन पहले ही खेल को अलविदा कहने का फैसला कर लिया था। उन्हें दिल के पहले टेस्ट के बाद बताया गया था कि शायद वह फिर से नहीं खेल सकेंगे। एगुएरो 10 साल तक मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलने के बाद हाल ही में बार्सिलोना से जुड़े थे। एगुएरो ने सिटी की ओर से 260 गोल किए, जो क्लब का एक रिकॉर्ड है। उन्होंने प्रीमियर लीग में 184 गोल किये, जिसमें 12 हैट्रिक भी शामिल हैं। वहीं एगुएरो ने बार्सिलोना के लिए केवल पांच मैच खेले हैं। अंतरराष्ट्रीय करियर में उनके नाम 97 मैचों में 41 गोल का रिकार्ड है।

भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना हुई

बीसीसीआई ने जारी की तस्वीरें , विराट नजर नहीं आये

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना हो गई है। भारतीय टीम को अपने इस दौरे में तीन टेस्ट मैचों के साथ ही इतने ही एकदिवसीय मैचों की सीरीज भी खेलनी है। टेस्ट सीरीज जहां बॉक्सिंग डे 26 दिसंबर से शुरु होगी, वहीं एकदिवसीय सीरीज 19 जनवरी से शुरू होगी। भारतीय टीम ने मुंबई एयरपोर्ट से उड़ान भरी। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर अकाउंट से भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें भी जारी की हैं। इसमें खिलाड़ी विमान में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। बोर्ड ने इस तस्वीर के साथ लिखा, दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए सब एकसाथ।' बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर ऐसी 4 तस्वीरें साझा की हैं। इसमें जसप्रीत बुमराह, मयंक अग्रवाल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव बैठे नजर आ रहे हैं पर हैरानी की बात है कि इन तस्वीरों में टेस्ट कप्तान विराट कोहली कहीं नहीं हैं।

कोविड-19 के नये वैरिएंट ओमीक्रोम के खतरे को देखते हुए अफ्रीका दौरे पर जाने से पहले टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी 3 दिन तक क्वारंटाइन में थे हालांकि विराट इसमें शामिल नहीं हुए थे। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है और अब लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली सीरीज जीतना रहेगा। दोनो टीमों के बीच पहला मैच 26 दिसंबर जबकि दूसरा टेस्ट मैच 3 जनवरी से जोहानिसबर्ग और तीसरा तथा अंतिम टेस्ट 11 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा।

खराब फार्म के कारण निशाने पर आये बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा दोनों को ही शामिल किया गया है पर यह माना जा रहा है कि अगर ये दोनो इन दौरे पर प्रदर्शन नहीं कर पाये तो इनका बाहर होना तय है। विराट कोहली भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान हैं। वहीं उपकप्तान रोहित शर्मा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इसी सीरीज से बाहर हैं। उनकी जगह प्रियांक पांचाल को टीम में जगह दी गयी है। ।

जोहानिसबर्ग पहुंचने के बाद भारतीय टीम एक क्वारंटाइन में नहीं बल्कि केवल एक दिन के दिन के आइसोलेशन में रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीमः

विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), प्रियांक पांचाल, रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी और उमेश यादव। स्टैंडबाय खिलाड़ीः नवदीप सैनी, सौरभ कुमार, दीपक चाहर और अर्जन नागवासवाला।

गांगुली और द्रविड़ भी नहीं साध पा रहे टीम इंडिया के दिग्गजों को

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय से एक के बाद एक विवाद उठे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के एकसाथ आने से लग रहा था कि यह थम जाएगा पर ऐसा नजर नहीं आ रहा है। हर दिन नये-नये प्रकार के विवाद सामने आ रहे हैं जिससे बीसीसीआई के साथ ही टीम प्रबंबन भी परेशान है। इससे टीम का प्रदर्शन प्रभावित होने के साथ ही खेल की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। बीसीसीआई के लिए यह तस्वीर अच्छी नहीं। गांगुली का प्रशासन अच्छा रहा है। राहुल द्रविड़ का व्यवहार सबको साथ लेकर चलने का है। हर टीम प्रबंधन की सोच अलग होती है। वह टीम को अपनी सोच और रणनीति के हिसाब से आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके बाद भी गांगुली, राहुल और रोहित के सुर अलग नजर आ रहे हैं। इससे युवा खिलाड़ियों में भी संशय फैल रहा है। इससे टीम में खेमेबाजी और गुटबाजी पनपने का भी खतरा है।

यह सही है कि टीम इंडिया बदलाव के दौर से गुजर रही है, पर बार बदलाव आसान नहीं होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ यही हुआ। इसकी शुरुआत पूर्व कोच रवि शास्त्री के कोचिंग कार्यकाल समाप्त होने से हुई। विराट के इस घोषणा के साथ कि वह टी20 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट में टीम की कप्तानी नहीं करेंगे। इसे बाद बीसीसीआई ने अचानक ही विराट की जगह दक्षिण अफ्रीका सीरीज पर रोहित शर्मा को एकदिवसीय सीरीज की कप्तानी दे दी। इसको लेकर तर्क दिया गया था कि टी20 और एकदिवसीय के अलग-अलग कप्तान नहीं हो सकते। गांगुली ने इस मामले में कोहली से बात की थी। गांगुली ने कहा कि उन्होंने खुद विराट से बात कर उन्हें टी-20 की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन वह माने नहीं। इसके बाद चयनसमिति को लगा कि एकदिवसीय और टी-20 में दो अलग कप्तान ठीक नहीं। फैसला लिया गया कि कोहली के स्थान पर रोहित को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाए। गांगुली ने कहा कि इस बारे में विराट से बात कर ली गई थी।

कायदे से यहां विवाद समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम तेजी से बदले। सोमवार को खबर आई कि रोहित दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। उनके हैमस्ट्रिंग में चोट है। बात और बिगड़ी जब कोहली के वनडे सीरीज से हटने की बात सामने आने लगी। कहा गया कि कोहली अपनी बेटी के पहले जन्मदिन में शामिल होना चाहते हैं। इसपर पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी कहा कि कोहली के आराम से कोई तकलीफ नहीं है लेकिन टाइमिंग एक बड़ा मुद्दा है। खबरें आने लगीं कि दोनों, विराट और रोहित, एक-दूसरे की कप्तानी में नहीं खेलना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर साजिशों के कयास लगने लगे। कोई विराट के साथ अन्याय की बात करने लगा तो कोई रोहित के साथ खड़ा नजर आया। बोर्ड की तरफ से खबरें पूरी तरह साफ नहीं हो पा रही थीं। कप्तान और बोर्ड एक पेज पर नहीं दिख रहे थे। और कम से कम मीडिया में ऐसी ही खबरें आ रही थीं।

वहीं इसके बाद कोहली ने कई ऐसी बातें कहीं जिनसे विवादों को और हवा मिली। कोहली ने कहा, 'मैं वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध हूं। कुछ चीजें जो अतीत में सामने आईं कि मैं कार्यक्रमों में शामिल हो रहा था, ऐसी चीजें विश्वसनीय नहीं हैं। टेस्ट टीम के चयन से डेढ़ घंटे पहले मुझसे संपर्क किया गया और पांच 5 चयनकर्ताओं ने बताया कि मैं वनडे टीम की कप्तानी नहीं करूंगा।' अब यह बात गांगुली की उस बात से कुछ अलग है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने खुद और चयन समिति के प्रमुख चेतन शर्मा ने रोहित को वनडे कप्तान बनाने से पहले उनसे बात की थी। बोर्ड और चयन पैनल की ओर से उन्हें सारी तस्वीर समझाई गई थी। अब असल बात क्या है यह तो बोर्ड और कोहली ही जानते हैं लेकिन यह जो भी हुआ इसे आराम से निपटाया जा सकता था। इससे पहले बोर्ड ने अनिल कुंबले के कोचिंग कार्यकाल के समाप्त होते वक्त विवादों का सामना किया था। उम्मीद है कि इस बार भी बेहतर तरीके से समाधान होगा।

पुतिन की पहल पर, पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच हो सकती हैं बैठक

मास्को (ईएमएस)। लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक चीन सीमा पर जारी तनाव के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लंबे समय बाद मुलाकात होने की उम्मीद है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रयासों से पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच बैठक हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने बताया कि रूस, चीन और भारत के बीच शिखर बैठक निकट भविष्य में हो सकती है। पुतिन ने अपनी भारत यात्रा के बारे में भी जिनपिंग को बताया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता उशाकोव ने कहा, 'रूस-भारत-चीन फार्मेट में सहयोग के विषय पर चर्चा हुई है।' उनका यह बयान उस समय पर आया है जब शी जिनपिंग और पुतिन के बीच 1 घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत हुई है। पुतिन और शी दोनों ही इस संबंध में विचारों के आदान-प्रदान को आगे भी जारी रखने पर सहमत हुए हैं और निकट भविष्य में रुस,इंडिया, चीन फार्मेट में शिखर बैठक के लिए प्रयास हो सकते हैं।'

उशाकोव ने कहा, 'पुतिन ने शी जिनपिंग को अपनी नई दिल्ली यात्रा के बारे में बताया है।' तीनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच रुस,इंडिया, चीन की अंतिम बैठक जून 2019 में हुई थी। यह जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ओसाका में हुई थी। शंघाई सहयोग संगठन के ढांचे के तहत सहयोग करने पर विस्तृत चर्चा हुई है। बता दें कि लद्दाख में चीनी घुसपैठ और गलवान हिंसा के बाद भारत और चीन के बीच संबंध रसातल में चले गए हैं। रूस,भारत और चीन के बीच विवाद और तनाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। भारत ने पुतिन की यात्रा के दौरान रूस के साथ '2प्लस 2' वार्ता में लद्दाख में चीन की आक्रामकता का मुद्दा उठाया था।

डोमिनिकन रिपब्लिक प्लेन क्रैश में 9 लोगों की मौतः एयरलाइन

सैंटो डोमिंगो (ईएमएस)1 डोमिनिकन गणराज्य से दुखद घटना सामने आई है। यहां रनवे पर निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, इसमें नौ लोगों की मौत की खबर है।गल्फस्ट्रीम विमान में सात यात्री और दो क्रू सदस्य सवार थे जो सैंटो डोमिंगो के लास अमेरिकास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।विमान कंपनी हेलिडोसा एविएशन ग्रुप ने हादसे की पुष्टि की है। दुर्घटना का कारण या आपातकालीन लैंडिंग की बात का अभी पता नहीं है। कंपनी ने लिखा कि हमारी कंपनी सक्रिय रूप से अधिक जानकारी प्राप्त करने और बचाव टीमों के साथ काम करने के लिए काम कर रही है। साथ ही कहा कि हमारे लिए यह हादसा काफी दुखद है। हम उन परिवारों के साथ हैं जो हमारे साथ इस कठिन समय से गुजर रहे हैं। विमान में सवार लोगों की पहचान अभी की जा रही है।

ब्रिटेन में कोरोना के ओमीक्रोन-डेल्टा का कोहराम, अमेरिका में दोगुना होने का खतरा

लंदन (ईएमएस)। महामारी कोरोना के घातक वायरस डेल्टा से पहले से त्रस्त ब्रिटेन और अमेरिका में अब नए स्वरूप ओमीक्रोन ने कोहराम मचा रखा है। ब्रिटेन में बुधवार को कोविड-19 के 78,610 नए मामले पाए गए, जो देश में अब तक के सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। संक्रमण के नए मामलों के लिए कोरोना वायरस के डेल्टा के साथ-साथ ओमीक्रोन वेरिएंट भी मुख्य रूप से जिम्मेदार है। लंदन में तो ओमीक्रोन ने डेल्टा को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले, ब्रिटेन में सर्वाधिक दैनिक मामले आठ जनवरी को सामने आए थे। उस समय 68,053 नए मामले पाए गए थे। इस बीच, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 'डाउनिंग स्ट्रीट' में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सचेत किया कि ओमीक्रोन से संक्रमण के मामले दो से भी कम दिनों में दोगुने हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि कोविड-19 रोधी टीकों की बूस्टर खुराक देने की मुहिम से इससे निपटने में मदद मिलेगी। कोरोना की बूस्टर डोज को ओमीक्रोन पर प्रभावी पाया गया है।

पहले से ही डेल्टा स्वरूप के संक्रमण से जूझ रहे अमेरिका में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण अराजक स्थिति की एक और लहर का खतरा मंडरा है और देश में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दोगुनी हो जाने का खतरा है। हालांकि वाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि लॉकडाउन लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि टीके व्यापक पैमाने पर उपलब्ध हैं और वे वायरस के गंभीर परिणामों से सुरक्षा मुहैया कराने में कारगर प्रतीत होते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के नेतृत्व में एक शोध सहयोग के लिए कोविड के स्वरूपों पर नजर रखने वाले जैकब लेमीक्स ने कहा, 'डेल्टा संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि तेजी से बढ़ रहे हैं और ऐसे में ओमीक्रोन मामलों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यह चिंताजनक है, क्योंकि हमारे अस्पताल पहले ही भरे हुए हैं और कर्मी थके हुए हैं।' अमेरिका में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक रोशेल वालेंस्की ने कहा कि शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि ओमीक्रोन डेल्टा से अधिक संक्रामक है और इसके दोगुने होने का समय दो दिन है।

पुतिन ने शी जिनपिंग को बताया प्रिय मित्र, अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कही

बीजिंग (ईएमएस)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने डिजिटल माध्यम से शिखर बैठक की। जिसमें मानवाधिकारों से लेकर यूक्रेन की सीमा के निकट रूसी सैनिकों के जमावड़े सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान करते हुए उनके खिलाफ अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा बढ़ाई जा रही मुश्किलों का मुकाबला करने के लिए एक रणनीतिक गठबंधन बनाने पर जोर दिया।

शिखर बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ पुतिन की इसी तरह की डिजिटल बैठक के लगभग आठ दिन बाद हुई है। जैसे ही उन्होंने बैठक शुरू की पुतिन ने हाथ हिलाकर शी का स्वागत कर उन्हें अपना प्रिय मित्र कहा। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि चीनी नेता ने उसी इशारे और मुस्कान के साथ जवाब दिया। पुतिन ने कहा,निरंतर स्वच्छता और महामारी संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद हम स्थायी संपर्क बनाए रखते हैं। शी के 2013 में चीन के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद से वह और पुतिन 36 बार मिल चुके हैं।इन बैठकों में जून में आयोजित वीडियो लिंक के माध्यम से एक बैठक भी शामिल है। दोस्ती के एक प्रमुख संकेत में, पुतिन ने कहा कि वह 2022 के बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में अगले साल फरवरी में शामिल होकर शिनजियांग प्रांत में उइगुर मुसलमानों के खिलाफ चीन के मानवाधिकार हनन को उजागर करने के लिए अमेरिका द्वारा आयोजित किए जा रहे राजनयिक बहिष्कार की धार को कुंद कर दूंगा। पुतिन ने चीन के उस रुख का भी समर्थन किया कि ताइवान उसकी मुख्य भूमि का अभिन्न अंग है।

डेल्टा संक्रमण से जूझ रहे अमेरिका में ओमीक्रोन मामलों की संख्या बढ़ी

वाशिंगटन (ईएमएस)। पहले ही डेल्टा संक्रमण से जूझ रहे अमेरिका में कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण अराजक स्थिति की एक और लहर का खतरा मंडरा है।देश में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दोगुनी हो जाने का खतरा है। हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा कि लॉकडाउन लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि टीके व्यापक पैमाने पर उपलब्ध हैं।कोविड के स्वरूपों पर नजर रखने वाले वैज्ञानिक ने कहा, डेल्टा संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि तेजी से बढ़ रहे हैं और इसमें ओमीक्रोन मामलों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यह चिंताजनक है, क्योंकि हमारे अस्पताल पहले ही भरे हुए हैं और कर्मी थके हुए हैं। अमेरिका में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक रोशेल वालेंस्की ने कहा कि शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि ओमीक्रोन डेल्टा से अधिक संक्रामक है और इसके दोगुने होने का समय दो दिन है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट रुक गयी है। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.11 अंक करीब 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,901.14 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 27 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी बढ़कर 17,248.40 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक करीब तीन फीसदी की बढ़त बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही। इसके अलावा, इन्फोसिस, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर मारुति, बजाज ऑटो और सन फार्मा के शेयर गिरे हैं। जानकारों के अनुसार दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार में यह तेजी आई है हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से कारोबारी धारणा प्रभावित हुई है। इससे बाजार की तेजी पर रोक लगी है।''

सीरिया के लोगों को सीमा पार से सहायता मिलना जरूरी है : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र के महसचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि विद्राहियों के नियंत्रण वाले उत्तर-पश्चिम सीरिया में तुर्की के रास्ते पहुंचाने वाली संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता की कड़ी निगरानी की जा रही है। गुतारेस ने कहा, ''चुनौतियों के बावजूद मानवीय सहायता पहुंचाकर सेवाएं दी जा रही हैं, पूरे देश में यह सैद्धांतिक और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है।गुतारेस ने एक रिपोर्ट में कही हैं, जो संयुक्त राष्ट्र में आंतरिक रूप से दी गई है।

सीरिया काउंसिल का सदस्य नहीं है, लेकिन उसने सीमा पार से आने वाले काफिलों को राजनीतिक और गैरजरूरी बताया है। पिछले साल तीन अन्य क्रासिंग के रास्ते आपूर्ति बंद कराने के लिए वीटो धमकी का उपयोग करने वाले करीबी सहयोगी रूस ने इस साल गर्मियों में कहा था कि मानवीय सहायता संघर्ष वाले रास्तों से सीरिया भेजी जानी चाहिए ताकि पूरे देश पर सरकार की सम्प्रभुता को बल मिल सके। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों, अमेरिका, यूरोपियों और अन्य का कहना है कि सीमा पार से होने वाली आपूर्ति महत्वपूर्ण है और उन्हें रोकने का अर्थ है कि लाखों की संख्या में सीरियाइयों पर इसका भयंकर दुष्प्रभाव होगा।

हालांकि, यह समझौता समाप्त होने से महज एक दिन पहले परिषद ने जुलाई में फिर से समझौता कर लिया। सदस्य बाब अल-हावा के रास्ते 10 जनवरी, 2022 तक आपूर्ति जारी रखले पर तैयार हो गए। साथ ही अगर गुतारेस अभियान की पारदर्शिता और सीरिया के भीतर सहायता आपूर्ति पर 'ठोस रिपोर्ट' देते हैं तो इस समझौते की अवधि स्वतः छह महीने के लिए बढ़ जाएगी। इस नई रिपोर्ट में गुतारेस ने विस्तार में बताया है कि किस प्रकार सीमा पार से आने वाली खेपों की जांच हो रही है और उनोंका पता लगाया जा रहा है। वह इसे ''दुनिया के, सबसे करीब से निगरानी करने वाले अभियानों में से एक बताते हैं।

इजराइल ने सीरिया के सैन्य ठिकानों पर किया हमला

दमिश्क (ईएमएस)। सीरियाई सेना ने दावा किया है कि इजराइल ने गुरुवार तड़के उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइलों से हमला किया,इसमें एक सैनिक की मौत हुई और सैन्य ठिकानों को क्षति पहुंची। सैन्य अधिकारी के हवाले से इसकी जानकारी दी। सैन्य अधिकारी ने कहा कि इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स से दागे गए रॉकेटों का सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पता लगाकर अधिकतर मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया।

अधिकारी ने कहा कि इजराइल की ओर से दक्षिण सीरिया में स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर दागी गयी मिसाइलों के कारण एक सैनिक की मौत हो गई और इसमें सैन्य ठिकानों को क्षति भी हुई है। इजराइल ने हाल के वर्षों में सीरिया के दक्षिणी हिस्से पर कई बार मिसाइलों से हमले किए हैं। इजराइल का दावा है कि सीरिया के दक्षिणी हिस्से में लेबनान के विद्रोहियों के संगठन हिजबुल्ला के लड़ाके सक्रिय हैं, जिन्हें ईरान समर्थन देता है।

रुपया 20 महीने के निचले स्तर पर 76.30 पर खुला

मुंबई (ईएमएस)। विदेशी कोषों की सतत निकासी और खतरा उठाने की धारणा कमजोर होने से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया करीब 20 महीने के निचले स्तर पर 76.30 पर खुला। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के अधिक तेजी से फैलने की चेतावनी से जोखिम वाली परिसंपत्तियों की अपील प्रभावित हुई। पिछले 11 कारोबारी सत्रों में से नौ में रुपए में गिरावट आई है और डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य 119 पैसे टूटा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में विदेशी कोषों की निकासी के बीच रुपया 76.05 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान बाद में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 44 पैसे की गिरावट के साथ 76.32 रुपए प्रति डॉलर तक नीचे चला गया। करीब आठ माह के दौरान रुपए में दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट है। बाजार सूत्रों ने कहा कि ओमिक्रॉन के तीव्र प्रसार की आशंका से भी रुपए की गिरावट को बल मिला।

सोने , चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने के भाव में तेजी देखने में आई। सोने के दाम में 209 रुपये की तेजी देखने को मिली है। वहीं, चांदी की कीमतों में 617 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोना 209 रुपये बढ़कर 47,405 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जबकि चांदी 617 रुपये की तेजी के साथ 60,179 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,196 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और चांदी 59,562 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

चीनी सिनोवैक कोरोना वैक्सीन की प्रभावशीलता पर उठे सवाल

-विशेषज्ञ बोले, टीके से विकसित नहीं हुईं अपेक्षित एंटीबॉडीज

लंदन (ईएमएस)। चीनी कोरोना वैक्सीन की प्रभावशीलता को लेकर उठ रहे सवाल ने दुनिया के उन देशों की चिंता बढ़ा दी जिन्होंने इस वैक्सीन का उपयोग किया है। सिनोवैक बायोटेक लिमिटेड द्वारा तैयार वैक्सीन का उपयोग कई देशों में किया गया है लेकिन हॉगकॉग के शोधकर्ताओं का दावा है कि यह वैक्सीन कोविड-19 के खिलाफ शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं प्रदान कर पाती है और शुरुआती जांच में इसका पता चला है। इस तथ्य के सामने आने के बाद उन देशों की चिंता बढ़ सकती है जिन्होंने इस वैक्सीन का इस्तेमाल किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ हॉगकॉग के शोधकर्ताओं द्वारा जारी बयान के अनुसार, पूरी तरह से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के ग्रुप को जिन्हें सिनोवैक बायोटेक की कोरोनावैक वैक्सीन दी गई थी उनमें ओमिक्रॉन वेरिएंट से लड़ने के लिए ब्लड सीरम में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं बन पाई हैं।

वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्ण रूप से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के एक अन्य ग्रुप को, जिन्हें फाइजर और बायोएनटेक का वैक्सीन डोज दिया गया है। उनके अंदर नए वेरिएंट के खिलाफ एंटीबॉडीज पाई गई हैं। यह तथ्य इन कंपनियों ने अपनी जांच के बाद पिछले सप्ताह जारी किए थे और कहा था कि वैक्सीन के तीसरे शॉट के माध्यम से ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडीज मिलेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों से जुड़े विशेषज्ञ प्रोफेसर क्वोक युंग येन के नेतृत्व में तैयार इस 50 लोगों पर किए गए अध्ययन को मेडिकल जनरल में प्रकाशित करने की मंजूरी मिल गई है और प्रिंट के लिए ऑनलाइन मोड पर उपलब्ध है।

बहरहाल अब तक इस बात का पता नहीं है कि सीनोवेक की यह वैक्सीन ओमिक्रॉन समेत कोविड-19 के अन्य वेरिएंट के खिलाफ कैसे काम करती है। लेकिन हॉगकॉग के इन वैज्ञानिकों की जांच ने 2.3 अरब लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं जिन्होंने इस वैक्सीन की खुराक ली है। इनमें ज्यादातर चीन और अन्य विकासशील देशों के लोग शामिल हैं। चूंकि ओमिक्रॉन वेरिएंट अन्य वेरिएंट की तुलना में तेजी से फैलता है। ऐसी स्थिति में शरीर के अंदर पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं होने से इन लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही कोरोना महामारी से उभरने की कोशिशों को झटका लग सकता है। मेडिकल विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सिनोवैक की यह वैक्सीन और व्यापक अध्ययन के बाद ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ अप्रभावी पाई जाती है, तो कोरोना महामारी की रोकथाम को लेकर चीन के प्रयासों को नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही ओमिक्रॉन वेरिएंट से गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

'ओमिक्रॉन' ने दुनिया के 77 देशों में पैर पसारे, अफ्रीका में 83 प्रतिशत बढ़े कोरोना केस

वॉशिंगटन (ईएमएस)। महामारी कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट ने दुनिया के लगभग 77 देशों में अपने पैर पसार लिए है। अपने पूर्ववर्ती डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा संक्रामक बताए जाए रहे इस वैरिएंट के केस अमेरिका के 35 राज्यों में मिल चुके हैं। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी आशंका जताई है कि ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दुनिया में हॉस्पिटलाइजेशन और मौतों की संख्या में इजाफा हो सकता है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक देश में ओमिक्रॉन की वजह से अगले महीने तक नई लहर आने की आशंका है। वहीं यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को कहा कि मध्य जनवरी तक यूरोप में ओमिक्रॉन प्रभावी वैरिएंट बन सकता है। इस वक्त यूरोप में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट ही प्रभावी है।

दूसरी तरफ चीन में भी इस सप्ताह ओमिक्रॉन के मामले मिलना शुरू हो गए हैं। डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों का कहना है कि ओमिक्रॉन के कारण अफ्रीका में बीते सप्ताह में कोरोना मामलों में 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। ओमिक्रॉन को लेकर हुई अब तक की रिसर्च में यह बात सामने आई है कि इससे डेल्टा की तुलना में कम गंभीर संक्रमण होता है। लेकिन इसकी संक्रामक क्षमता चिंताजनक है। इसके अलावा ये वैरिएंट प्रतिरोधक क्षमता को चकमा दे सकने में भी सक्षम बताया जा रहा है। यही कारण है कि दुनिया के कई विशेषज्ञ कोरोना वैक्सीन के बूस्टर डोज की सिफारिश कर रहे हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि वैक्सीन के दो डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ पर्याप्त कारगर नहीं है। स्टडी में तीसरे या बूस्टर डोज की वकालत की गई है। यूनाइटेड किंगडम में लोगों को वैक्सीन का बूस्टर डोज लेने की छूट भी दी जा चुकी है। वहीं अमेरिकी फार्मा कंपनी फाइज़र ने दावा किया है कि उसकी एंटी-वायरल दवा ओमिक्रॉन के खिलाफ भी 90 फीसदी तक कारगर है। यानी इस एंटी-वायरल दवा के इस्तेमाल के बाद संक्रमित व्यक्ति के अस्पताल में भर्ती होने या फिर मौत का खतरा 90 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

इंडियन ऑयल ने जेट फ्यूल की कीमतें घटाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने गुरुवार को एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में कटौती कर दी है। इनकी कीमतों में कटौती के बाद एयरलाइन कंपनियां यात्री किराए में भी कटौती का निर्णय ले सकती हैं ?जिससे हवाई सफर थोड़ा सस्ता हो सकता है। इंडियन ऑयल की ओर से की गई इस कटौती के बाद देश के बड़े शहरों में इनके दाम में बदलाव हुआ है। दिल्ली में एटीएफ का दाम घटकर 74,022.41 प्रति किलोलीटर हो गया है, जबकि कोलकाता में यह 78,215.01 रुपए प्रति किलोलीटर है। मुंबई में यह 72,448.20 रुपए प्रति किलोलीटर है और चेन्नई में इसकी कीमत कम होकर 76,197.80 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। नई कीमतें गुरुवार से लागू की गई हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घरेलू एयरलाइनों के लिए एटीएफ की कीमत दिल्ली में 739.90 रुपए प्रति किलोलीटर और कोलकाता में 778.87 रुपए प्रति किलोलीटर तक कम कर दी गई है। मुंबई में 733.11 रुपए प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 733.75 रुपए प्रति किलोलीटर तक घट गई है। गौरतलब है कि एटीएफ की कीमतों में अक्टूबर महीने में तेल कंपनियों द्वारा करीब 13.8 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। जेट फ्यूल की कीमतों में पिछले एक साल में 95.8 फीसदी तक की वृद्धि की गई है। सितंबर में कीमतों में साल-दर-साल 54.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसका श्रेय सितंबर 2020 के लो बेस को दिया गया, जब महामारी के कारण दरों में 32.2 फीसदी की गिरावट आई थी।

पहली छमाही में केंद्र, राज्य सरकारों के वित्त में उल्लेखनीय सुधारः आरबीआई पत्र

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बुलेटिन के दिसंबर अंक में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी से संबंधित खर्च के बावजूद सरकारी व्यय आमतौर पर बजट अनुमानों के अनुरूप बने रहने और कर संग्रह में व्यापक रूप से उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन के बीच केंद्र और राज्यों के वित्त में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। केंद्रीय बैंक के अर्थशास्त्रियों द्वारा लिखे गए पत्र में केंद्र और राज्यों, दोनों के लिए खर्च की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार का भी जिक्र गया है, जो एक टिकाऊ पुनरुद्धार के लिए सकारात्मक है। पत्र में कहा गया कि केंद्र के प्रत्यक्ष कर संग्रह में पहली छमाही के दौरान 83.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान आयकर और कॉरपोरेट कर में क्रमशः 64.7 प्रतिशत और 105.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें कहा गया कि पूंजीगत व्यय पर जोर देने से खर्च की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो मध्यावधि में वृद्धि समर्थक राजकोषीय मजबूती के लिए एक आवश्यक शर्त है।

तालिबान के रहनुमा इमरान बोले- दुनिया अफगानिस्तान से अलग होने की गलती नहीं करेगी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान के बिगड़ते हालातों से पूरा विश्व वाकिफ है ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों तालिबान के रहनुमा बने हुए हैं। वे लगातार पूरी दुनिया को तालिबान सरकार के साथ राजनयिक संबंध बनाने और मानवीय सहायता देने की अपील कर रहे हैं। इमरान खान ने अब कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि दुनिया अफगानिस्तान से अलग होने की गलती नहीं दोहराएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान मानवीय संकट को टालने के लिए अफगानिस्तान को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी बयान के अनुसार, अफगानिस्तान पर शीर्ष समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए इमरान खान ने कहा कि युद्धग्रस्त देश से अलग होना दुनिया के लिए नुकसानदायक होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान के कमजोर लोगों का समर्थन करने का आग्रह किया। इमरान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान पहले ही 5 बिलियन रुपए की मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें खाद्य वस्तुएं और आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति शामिल है।

समिति ने बताया गया कि प्रधानमंत्री के निर्देश के अनुसार जमीनी सीमा से पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले सभी अफगानों के लिए मुफ्त कोविड-19 टीकाकरण की सुविधा चल रही है। बयान में कहा गया है कि अफगानों के लिए पाकिस्तानी वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इमरान ने अधिकारियों को अफगानिस्तान में प्रयासों का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान से काम करने के इच्छुक मानवीय संगठनों को सुविधा प्रदान करने का भी निर्देश दिया। बैठक में शामिल सभी लोगों ने अफगानिस्तान में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बारे में अपनी चिंता दोहराई। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान अफगान अवाम को उनकी जरूरत के समय में नहीं छोड़ेगा। रविवार को इस्लामाबाद में इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक भी आयोजित की जा रही है। इसमें अफगानिस्तान में पैदा हुए मानवीय संकट को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इस बैठक में सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ मोईद यूसुफ, विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, सूचना मंत्री फवाद चौधरी, गृह मंत्री शेख राशिद अहमद, योजना मंत्री असद उमर, वित्त पर प्रधानमंत्री के सलाहकार शौकत तारिन, सलाहकार वाणिज्य और निवेश पर प्रधान मंत्री अब्दुल रजाक दाऊद और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल हुए थे।

चिप मैन्यूफैक्चरिंग का हब बनेगा भारत, मोदी सरकार ने 76 हजार करोड़ की स्कीम मंजूर की

नई दिल्ली (ईएमएस)।मोदी कैबिनेट ने देश को चिप मैन्यूफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए 76 हजार करोड़ की एक स्कीम को बुधवार को मंजूरी दे दी।यह स्कीम हालिया चिप शॉर्टेज से हुई परेशानियों से बचने के लिए है। स्कीम के तहत भारत में चिप मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने वाली कंपनियों को सब्सिडी सहित कई इंसेंटिव दिए जाएंगे।इस सेमीकंडक्टर के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

रिपोर्ट में किया गया था, कि सरकार भारत में सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करने के लिए कई प्रोत्साहन दे सकती है।इसमें सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन यूनिट लगाने में खर्च होने वाली पूंजी पर 25 प्रतिशत सब्सिडी भी शामिल है।इसतरह एसेम्बलिंग, टेस्टिंग, पैकेजिंग और चिप डिजाइन के लिए भी प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं। मोदी सरकार की यह सेमीकंडक्टर पॉलिसी भारत को चिप मैन्यूफैक्चरिंग का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकती है।मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री इस नोटिफाई करेगी और कंपनियों को भारत में चिप इंडस्ट्री लगाने पर निवेश करने का न्यौता दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सेमीकंडक्टर यानी चिप का इस्तेमाल कार से लेकर लैपटॉप और टीवी से लेकर वॉशिंग मशीन बनाने में बड़े पैमाने पर होता है।मौजूदा चिप शॉर्टेज के चलते ऑटो इंडस्ट्री पहले ही मुसीबतों से जूझ रहा है।इससे न सिर्फ वाहन कंपनियों का उत्पादन प्रभावित हुआ है, बल्कि उनकी बिक्री पर भी बुरा असर पड़ा है।कई मॉडलों की वेटिंग पीरियड साल भर से भी अधिक हो गई है।साथ ही स्मार्टफोन, पर्सनल कंप्यूटर, गेम कंसोल और मेडिकल डिवाइसेज इंडस्ट्री पर भी चिप की कमी का संकट का असर हुआ है।

चीन की मदद से ग्वादर को दुबई बनाने की पाकिस्तान की मंशा, बलूच में उठे 'विद्रोह' के स्वर

ग्वादर (ईएमएस)। पाकिस्तान, चीन की मदद से ग्वादर को सिंगापुर या दुबई बनाने की मंशा रहता है पर बीते एक महीने से यहां के स्थानीय जनता हजारों की संख्या में विरोध करने सड़कों पर उतरी हुई है। यह वही जगह है जहां सीपीईसी प्रॉजेक्ट के तहत चीन अरबों डॉलर का निवेश करके बंदरगाह बना रहा है। ग्वादर की जनता 'ग्वादर को हक दो' के नारे लगा रही है। इसके अलावा वे अवैध तरीके से मछली पकड़ने वाले जहाजों को रोकने की मांग कर रहे हैं जो उनकी आजीविका को तबाह कर रहे हैं। ग्वादर की जनता इमरान सरकार से ईरान के साथ व्यापार संबंधों में छूट और शहर में सुरक्षा चेक प्वाइंट में ढील देने की भी गुहार लगा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्वादर में चल रहा विरोध प्रदर्शन इमरान सरकार और वहां की शक्तिशाली सेना के लिए खतरे की घंटी की तरह से है। ग्वादर में पहले भी इस तरह के विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं लेकिन ऐसा पहली बार है कि इतनी बड़ी तादाद में जनता ने सामूहिक तरीके से ऐक्शन लिया है।

इस प्रदर्शन में उदारवादी इस्लामिक नेता, राष्ट्रवादी और बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे हिस्सा ले रहे हैं जो अपने आप में इस शहर के लिए अप्रत्याशित है। बलूचिस्तान प्रांत में स्थित ग्वादर की सीमा से कुछ ही दूरी पर ईरान है और यह अरब सागर में स्ट्रेट ऑफ होर्मूज के बेहद करीब है। यह चीन के बेल्ट एंड रोड कॉरिडोर का प्रमुख केंद्र है। पाकिस्तान का दावा है कि ग्वादर और सीपीईसी चीन को अरब सागर तक पहुंच मुहैया कराकर इस पूरे इलाके के आर्थिक भूगोल को बदल देगा। इस दावे के बीच शहर के बलूच लोगों के भविष्य पर कोई चर्चा तक नहीं हो रही है। इसको देखते हुए अब ग्वादर के लोग सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं। इस भारी विरोध के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को कहा कि वह ग्वादर तट के नजदीक मछली पकड़ने वाले अवैध जहाजों (ट्रॉलर) के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई' करेंगे। उन्होंने यह घोषणा स्थानीय लोगों के भारी विरोध प्रदर्शन के बाद की है। इस प्रदर्शन की वजह से सरकार और प्राधिकारियों को हजारों की संख्या में इलाके में अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती करनी पड़ी है।

इमरान खान ने ट्वीट किया, 'मैंने ग्वादर के मेहनती मछुआरों की वाजिब मांग पर संज्ञान लिया। ट्रॉलर (मछली पकड़ने वाले जहाजों) से अवैध तरीके से मछली पकड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री से भी बात करूंगा।' इमरान खान के इस वादे के बाद भी ग्वादर के लोगों को उन पर भरोसा नहीं हो रहा है। वे इस तरह के वादे पिछले कई दशक से पाकिस्तानी हुक्मरानों से सुन रहे हैं। अब वे कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्हें अब यह डर सता रहा है कि पाकिस्तान और चीन की इस योजना से उनकी आजीविका संकट में पड़ जाएगी। ग्वादर पहले ओमान का कब्जा था और साल 1958 में पाकिस्तान सरकार ने उसे खरीद लिया था।

पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा, पेपर लीक करनेवाले का नाम आया सामने

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा ली गई परीक्षा का पर्चा लीक करने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। परीक्षा का पेपर लीक करने वाले का नाम सामने आया है। मामले की जांच कर रही टीम ने 12 लोगों से पूछताछ की है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि पूरी परीक्षा रद्द की जा सकती है। बता दें कि गत 10 दिसंबर को गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा हेड क्लर्क के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा ली गई थी। बाद में परीक्षा का पेपर लीक होने की खबरें सामने आने के बाद गुजरात गौण सेवा मंडल के अध्यक्ष असित वोरा ने सफाई दी कि इस संदर्भ में उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली और न ही इसके कोई ठोस प्रमाण मिले हैं। दूसरी ओर विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने दावा किया कि उन्होंने पर्चा लीक होने के सारे सबूत मंडल के सचिव केआर परमार और गांधीनगर के पीआई को दिए हैं। इस पूरे मामले में अब बड़ी खबर सामने आई है। जिसमें 10 दिसंबर को ली गई परीक्षा रद्द की जा सकती है या फिर जिन उम्मीदवारों के पास परीक्षा से पहले पर्चा पहुंच गया था, उनकी परीक्षा रद्द हो सकती है। परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गया थी। पूर्वी अहमदाबाद के निकोल के स्ट्रॉंग रूम से पर्चा लीक होने की आशंका है। जयेश पटेल उर्फ मुकेश पटेल की पेपर लीक मामले में संलिप्तता सामने आई है। जयेश पटेल के खिलाफ साबरकांठा जिले के प्रांतिज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज है। जयेश पटेल के अलावा इस मामले में साबरकांठा जिले की प्रांतिज के ऊंछा गांव निवासी देव पटेल संदेह के दायरे में है। देवल पटेल और जयेश पटेल चाचा-भतीजा हैं। जांच टीम अब तक 12 संदिग्धों से पूछताछ कर चुकी है और इन लोगों की पूरे मामले में कोई भूमिका है या नहीं इसकी जांच चल रही है। जांच दल ने ऊंछा के फार्म हाउस के मालिक डॉ. नितिन जशुभाई पटेल, प्रांतिज के बालिसणा गांव के डॉ. राजु पटेल के अलावा ऊंछा गांव के शख्स, हिम्मतनगर के बोराणा गांव के दो भाई, खेडब्रह्मा के पिपोदरा गांव के शिक्षक, हिम्मतनगर के एक शख्स, सलाल गांव के सीआरसी शिक्षक और तलोद में एक शिक्षक से पूछताछ की है। पेपर लीक मामले में ऊंछा के फार्म हाउस मालिक डॉ. नितिन पटेल पुलिस अधीक्षक कचहरी पहुंचे, जहां स्वयं के इस मामले में कोई भूमिका नहीं होने की पेशकश की। उनहोंने कहा कि वह और उनका परिवार पूरी तरह निर्दोष है और बेवजह इस मामले में उनका नाम उछालकर बदनाम किया जा रहा है। बता दें कि विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने आरोप लगाया था कि फार्म हाउस में पेपर सॉल्व किया किया गया थी। दूसरी ओर आज युवराजसिंह जाडेजा ने गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को सचिव और उप सचिव की मौजूदगी में पेपर क मामले में सबूत दिए। इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष ने पेपर लीक मामले में शिकायतकर्ता बनने का आश्वासन दिया। इस मामले में युवराजसिंह ने कहा कि अन्य कई संवेदनशील प्रमाण गृह राज्य मंत्री को ही सौंपेंगे। राज्य सरकार और गौण सेवा पसंदगी मंडल यदि शिकायतकर्ता नहीं बनेंगे तो हम हाईकोर्ट का द्वार खटखटाएंगे। पूरे प्रकरण में कार्यवाही के लिए सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

68 नए केसों के साथ राज्य में संक्रमित मरीजों की संख्या पहुंची 580 पर, 43 लोग ठीक हुए

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में ओमिक्रॉन की दस्तक के बीच कोरोना के मामलों में उतार-चढ़ाव जारी है। आज राज्य में 68 नए मामलों के साथ कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 580 पर पहुंच गई है। वहीं 43 मरीज ठीक होकर अपने घर गए। आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। राज्य में आज 2.94 लाख से अधिक लोगों को कोरोना का टीकाया गया। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 20 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 12, सूरत कॉर्पोरेशन में 9, राजकोट कॉर्पोरेशन में 7, गांधीनगर 5, नवसारी में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, कच्छ में 2, वलसाड में 2, भरुच में 1, राजकोट में 1 और सूरत में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के 68 नए मरीज सामने आए हैं। वहीं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 9, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 5, सूरत कॉर्पोरेशन में 5, कच्छ में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4, भावनगर कॉर्पोरेशन में 4, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, राजकोट में 3, गांधीनगर में 1, भरुच में 1, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1 और मेहसाणा में 1, सुरेन्द्रनगर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के 43 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। अब तक 817568 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10100 मरीजों की जान चली गई। राज्य में 580 एक्टिव केसों में 574 स्टेबल हैं और 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 294532 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 19 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 833 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 8116 को पहला और 72068 नागरिकों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 26436 को पहली और 187060 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। राज्य में अब तक 86492183 नागरिकों का टीकाकरण किया जा चुका है।

ओमीक्रॉन का एक और मामला सामने आया
मेहसाणा में महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव

गांधीनगर, १६ दिसंबर।

गुजरात में ओमीक्रॉन का एक और मामला सामने आया है। विजापुर में एक महिला की ओमीक्रॉन रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। महिला जिसकी विदेश यात्रा की कोई हिस्ट्री नहीं है वह पॉजिटिव आई है। लेकिन वह जिम्बाब्वे से आए एक शख्स के संपर्क में आई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि जिम्बाब्वे के जिस व्यक्ति के कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग में आया था वह निगेटिव था जबकि संपर्क में आई बहन पॉजिटिव आई है। दक्षिण गुजरात में कोरोना के नए वेरिएंट की एंट्री हो गई है। ओमीक्रॉन का पहला मामला विजापुर के पुलवई में सामने आया। पिलवई गांव की एक महिला ओमीक्रॉन संक्रमित पाई गई है। हालांकि संक्रमित महिला का कोई यात्रा इतिहास नहीं है। ओमीक्रॉन का पहला मामला मेहसाणा जिले में सामने आया। महिला को इलाज के लिए वडनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले सूरत शहर के वराछा इलाके में मौजूद एक रोड पर रहने वाला हीरा व्यापारी ऑमीक्रॉन वायरस से संक्रमित पाया गया था। ४२ वर्षीय हीरा व्यापारी २ दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका से सूरत आया था।

खेत को जलाने से भूमि की उर्वरता का होता है क्षरण, पराली न जलाए किसान- पीएम मोदी

आणंद (ईएमएस)। गुजरात के आणंद में प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि इस दिशा में नए सिरे से शोध करने होंगे और प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सांचे में ढालना होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने पराली जलाने वाले किसानों को भी नसीहत दी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमें खेती की तकनीक में होने वाली गलतियों से भी छुटकारा पाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि खेत को जलाने से भूमि की उर्वरता का नुकसान होता है। लेकिन पराली जलाने की परंपरा बन गई है। मिट्टी तपती है तो ईंट बन जाती है।'

उन्होंने कहा, ''यह सही है कि रसायन और उर्वरक ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हमें इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करना होगा और अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'इससे पहले खेती से जुड़ी समस्याएं भी विकराल हो जाएं, बड़े कदम उठाने का यह सही समय है। हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना ही होगा। जब मैं प्रकृति की प्रयोगशाला की बात करता हूं तो ये पूरी तरह से विज्ञान आधारित ही है।' उन्होंने कहा कि खेती में उपयोग होने वाली खाद और कीटनाशक दुनिया के विभिन्न कोनों से अरबों-खरबों रुपए खर्च करके लाना होता है और इस वजह से खेती की लागत भी बढ़ती है, किसान का खर्च बढ़ता है और गरीब की रसोई भी महंगी होती है। उन्होंने कहा कि यह समस्या किसानों और सभी देशवासियों की सेहत से भी जुड़ी है, इसलिए सतर्क व जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कम लागत और ज्यादा मुनाफा ही प्राकृतिक खेती है और आज दुनिया जितनी आधुनिक हो रही है, उतना ही वह जड़ों से जुड़ रही है। इस शिखर सम्मेलन में प्राकृतिक खेती पर ध्यान केन्द्रित किया गया और किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीके अपनाने के लाभों के बारे में सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी इस सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई नेता व केंद्रीय मंत्री उपस्थित थे। पांच हजार से अधिक किसानों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बीजेपी कारोबारी की मीटिंग में सीआर पाटिल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

हाईकोर्ट के आदेश बाद एएमसी एक्शन मोड में
बीयू मंजूरी बिना के आवासीय वाणिज्यिक १२८ यूनिट सील
एएमसी द्वारा आवास मकान पर इतनी बड़ी संख्या में कार्रवाई हुई हो यह पहली घटना है

अहमदाबाद, १६ दिसंबर।

हाईकोर्ट के आदेश बाद एएमसी एक्शन मोड में देखने को मिल रही है।

बीयू मंजूरी बिना चलते १२८ आवासीय वाणिज्यिक संपत्ति सील की है। अब गैरकानूनी रहे १० हजार ५९५ वर्ग फीट निर्माणकाम को दूर किया गया है एएमसी द्वारा आवास मकान पर इतनी बड़ी संख्या में कार्रवाई हुई हो यह पहली घटना है यूनिट सील-एएमसी द्वारा आवास मकान पर इतनी बड़ी संख्या में कार्रवाई हुई हो यह पहली घटना है । अहमदाबाद महानगरपालिका हद क्षेत्र में स्थित, बीयू मंजूरी के अलावा इस्तेमाल होते हो ऐसी बिल्डिगों का अनधिकृत उपयोग बंद कराने के लिए बार बार कोर्ट द्वारा दिशानिर्देश भी किया गया है। यह मामले में इस प्रकार के निर्माणकार्यों के मकानों का उपयोग बंद कराने के लिए सील करने की कार्रवाई शुरू की गई है।

इसके अलावा मंजूरी बिना किया गया अनधिकृत निर्माणकार्यों का अमल करके डिमोलीशन की काम किया गया है। महत्वपूर्ण है कि गुजरात हाईकोर्ट द्वारा अक्सर बीयू मंजूरी बिना चलते इकाइयों पर एएमसी फटकार लगा चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा एएमसी आदेश दिया था कि बीयू मंजूरी बिना चल रहे इकाई पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है। बीयू मंजूरी और फायर एनओसी मुद्दे भी अस्पताल के खिलाफ नाराजगी हाईकोर्ट के आदेश बाद एएमसी द्वारा की गई थी। अब फिर एक बार एएमसी द्वारा बीय मंजूरी बिना चल रहे इकाई के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पूर्व जोन हद क्षेत्र में टीपी. रास्ते पर अतिक्रमण और म्युनिसिपल रिजर्व प्लॉट में हुई अतिक्रमण/ बिना मंजूरी के निर्माणकार्यों को हटाने के अभियान के तहत एस्टेट और नगर विकास विभाग द्वारा गोमतीपुर वार्ड में टीपी. स्कीम नंबर ११ (बापूनगर) के फायनल प्लॉट नंबर ३१ में स्थित लाल मील के पास स्थित पुरानी गंजी फराक एस्टेट में इंडस्ट्रीयल प्रकार का बिना मंजूरी से किए गए करीब १५०० वर्ग फीट निर्माणकाम पूर्व जोन के एस्टेट और नगर विकास खाता का स्टाफ, अतिक्रमण वैन, निजी मजदूर, ०३ नंग गैस कटर मशीन तथा गोमतीपुर पुलिस स्टेशन की मदद लेकर हटाया गया है।

पेपर लीक के मामले में कार मिल गई
युवराजसिंह द्वारा जारी की गई कार तो मिली लेकिन मालिक लापता
परीक्षा का पेपर अगले दिन ही लीक हो जाने का आरोप लगने के बाद गांधीनगर-साबरकांठा की पुलिस सक्रिय हो गई है

गांधीनगर, १६ दिसंबर।

गौण सेवा पसंदगी बोर्ड द्वारा रविवार को ली गई गैर सचिवालय क्लर्क की परीक्षा का हिम्मतनगर तहसील से पेपर लीक होने का सनसनीखेज आरोप लगने के बाद जारी की गई जानकारी के तहत आक्षेपितो लापता है खुद भूगर्भ में चले गये है या पुलिस ले गई है यह मामले में कई तर्क वितर्क हो रहे है दूसरी तरफ पुलिस इस बारे में कुछ बताने को तैयार नहीं है। सोमवार शाम से गौण सेवा पसंदगी बोर्ड द्वारा रविवार को ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर अगले दिन ही लीक होने के आरोप लगने के बाद गांधीनगर और साबरकांठा की पुलिस सक्रिय हो गई है। दूसरी तरफ जिस गाड़ी में पेपर ले गये यह गाड़ी का मालिक लापता हो गया है। बुधवार शाम को आप के युवराजसिंह ने गाड़ियों का नंबर और हिम्मतनगर तहसील के हमीरगढ का उल्लेख करके पुलिस को जानकारी दिए जाने का खुलासा किया था। युवराजसिंह ने जारी किए वाहन नंबरों के मालिक भी अचानक लापता हो गये है। इसके साथ हमीरगढ के दंपती भी गायब हो गये है।

आरोप बाद शाम को उनके घर पर कोई नहीं था। जिसके खिलाफ आरोप लगाया गया है यह सभी लोग भूगर्भ में चले गये हो ऐसा लग रहा है। युवराजसिंह जाडेजा ने पेपर लीक प्रकरण में बुधवार शाम को वाहनों के नंबर को जारी किया था। हिम्मतनगर के बायपास रोड पर लावारिस हालत में इनोवा कार नंबर जीजे-१-एचआर-९००५ हिम्मतनगर आरटीओ के पास शोरुम निकट खुले में पड़ी मिल गई थी। हालांकि, जांच में गेराज मालिक ने लंबे समय से इनोवा यहां पड़ी होने का बताया था। जो परीक्षा का पेपर लीक होने की शिकायत हुई है यह गौण सेवा पसंदगी बोर्ड की हेड क्लर्क की परीक्षा ६० फीसदी से ज्यादा उम्मीदवार यानी कि १.५४ लाख उम्मीदवार ने नहीं दी है। गौण सेवा पसंदगी बोर्ड द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार २.४० लाख से ज्यादा उम्मीदवारों में से ८८ हजार उम्मीदवार ने परीक्षा दी थी।

राज्य में हेड क्लर्क की परीक्षा के बाद पेपर लीक होने का आरोप लगा, यह आरोप बाद राज्य के गृहमंत्री के साथ बैठक के बाद गुजरात गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन असित वोरा ने गत दिन पत्रकार परिषद में कहा कि पेपर लीक का अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने कहा है कि, अभी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। यदि कोई शिकायत मिलेगी तो जांच की जाएगी।

पेपर लीक मामला : असित वोरा को हटाने और जांच के लिए एसआईटी के गठन की मांग

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से आयोजित हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला गरमाता जा रहा है। विद्यार्थी नेता युवराजसिंह ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने और गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को हटाने की मांग की है। साथ ही 72 घंटों में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ बैठक करने की ईच्छा जाहिर की है। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। बता दें कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा गत 12 दिसंबर को हेड क्लर्क की परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के पेपर लीक होने की मीडिया रिपोर्ट के बाद बुधवार को मंडल के अध्यक्ष असित वोरा ने पत्रकार परिषद की और कहा कि उन्हें इस बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने के कोई ठोस प्रमाण भी नहीं मिले हैं। यदि पर्चा लीक हुआ है तो इसके दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। असित वोरा की पत्रकार परिषद के बाद विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूरे मामले में मंडल के अध्यक्ष असित वोरा की भूमिका को संदिग्ध करार दिया। साथ ही कहा कि पेपर लीक मामले के सबूत मंडल के सचिव के आर परमार को दिए हैं। आज विद्यार्थी नेता ने सरकार को पेपर लीक मामले में कार्यवाही करने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ऑफीस में सबूत देंगे। असित वोरा इस मामले में संदेह के दायरे में होने का आरोप लगाते हुए विद्यार्थी नेता ने उन्हें हटाने की मांग की। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने की भी मांग। युवराजसिंह जाडेजा ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि 72 घंटे में उनके साथ बैठक करने की इच्छा है। यदि 72 घंटे में हर्ष संघवी के साथ बैठक नहीं हुई तो विद्यार्थी, अभिभावक, शैक्षिक, सामाजिक संगठनों को साथ लेकर गांधीनगर में उग्र आंदोलन करेंगे।

सूरत में एक और दुष्कर्मी को सुनाई गई मौत की सजा, दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर दी थी

सूरत (ईएमएस) सूरत की अदालत ने एक दुष्कर्मी को फांसी की सजा सुनाई है। वडापाउं खिलाने की लालच देकर अपने साथ 10 साल की किशोरी को ले जाकर आरोपी ने उसके साथ पहले दुष्कर्म किया और बाद में उसके सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतार दिया था। एक साल चली सुनवाई के बाद सूरत की कोर्ट ने गत 10 दिसंबर को आरोपी को दोषी करार दिया था और सजा के लिए 16 दिसंबर मुकर्रर की थी।

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में 10 साल की किशोरी 7 दिसंबर 2020 को अपने ताऊ के घर के बाहर अकेली खेल रही थी। उस वक्त दिनेश दशरथ बैसाणे नामक शख्स वडापाऊं खिलाने की लालच देकर किशोरी को अपने साथ उधना बीआरसी कंपाउंड लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीयल पार्क के सामने झाडियों में ले गया। जहां किशोरी के साथ दिनेश बैसाणे ने दुष्कर्म किया। विरोध करते हुए जब किशोरी ने दिनेश की ऊंगली पर काट लिया तो गुस्साए दिनेश बैसाणे ने उसके सिर ईंट से 7 जितने वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। किशोरी के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी दिनेश बैसाणे के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, हत्या और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। दिनेश के खिलाफ दफा 302, 376-एबी, 363 और 366 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने 15 दिन के भीतर आरोपी दिनेश के खिलाफ 232 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी। पुलिस ने अदात के समक्ष 36 गवाह, सीसीटीवी फूटेज, डीएनए समेत अन्य प्रमाण कोर्ट के समक्ष पेश किए। सरकारी वकील नयन सुखडवाला ने कहा कि पूरे मामले में आरोपी जिस प्रकार किशोरी को ले जा रहा था वह सीसीटीवी फूटेज से लेकर घटनास्थल जहां उसके साथ दुष्कर्म किया वहां से भी कई प्रमाण मिले हैं जो सभी आरोपी के खिलाफ हैं। पोस्टमार्टम और डीएनए में स्पष्ट हो गया कि किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया और बाद में हत्या कर दी। दोनों पक्षों की दलीलें खत्म होने के बाद 10 दिसंबर को सूरत की अदालत ने आरोपी दिनेश बैसाणे को दोषी करार दिया और सजा के लिए 16 दिसंबर की तारीख मुकर्रर की थी। सूरत के सेकंड एडिशनल जज एनके अंजारिया 10 साल की किशोरी से दुष्कर्म उसकी हत्या के दोषी दिनेश बैसाणे को फांसी की सजा का आदेश दिया है।

दुकान पर गई 8 साल की किशोरी से दुष्कर्म, पुलिस ने नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया

राजकोट (ईएमएस) समाज में खासकर छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। गुजरात ऐसे मामलों में फासस्ट्रेक कोर्ट में केस की सुनवाई के साथ दोषी जल्द से जल्द कड़ी सख्त सजा सुनाई जा रही है, इसके बावजूद ऐसी घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। ऐसी ही एक घटना राजकोट से सामने आई है, जिसमें एक 8 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। राजकोट के कुवाडवा रोड स्थित नवागाम के निकट रहनेवाली 8 वर्षीय किशोरी दुकान पर गई थी। लेकिन दुकान बंद होने से निकट रहनेवाले दुकान मालिक के नाबालिग बेटे ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद किशोरी की धमकी दी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। धमकी से डरी किशोरी ने किसी से शिकायत नहीं की। लेकिन बुधवार को किशोरी को रोते देख उसकी मां ने कारण पूछा तो उसने आपबीती सुना दी। जिसके बाद परिवार ने कुवाडवा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने नाबालिग लड़के को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा कानालूस – राजकोट रेल खंड का वार्षिक निरीक्षण

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल ने राजकोट मंडल के कानालूस - राजकोट रेलखंड का वार्षिक निरीक्षण किया। कानालूस में उन्हें रेल सुरक्षा बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। उन्होंने अपने निरीक्षण में इस खंड में आने वाले रेलवे क्रॉसिंग, मेजर व माइनर ब्रिज, ट्रेकमेन टीम, पोइंट एंड क्रॉसिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली, ट्रेक के घुमाव जैसे तकनीकी पहलुओं का सघन निरीक्षण किया। कंसल ने कानालूस, जामनगर, हापा, लाखाबावल, खंडेरी और राजकोट स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान श्री कंसल ने कानालूस स्टेशन पर रिक्रेयेशन हट, प्राकृतिक वॉटर कूलर, ओएफसी हट, तथा रेलकर्मियों के रहने के लिए नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर का उदघाटन किया। श्री कंसल द्वारा 'सुरक्षित संचालन' (ईिं ध्र्ज्रैगदह) विषय पर राजकोट मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री एन आर मीणा द्वारा लिखित लिखी गयी पुस्तक का विमोचन किया गया। यहाँ पर उन्होने स्टेशन, रनिंग रूम व रूट रिले इंटरलोकिंग टावर का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होने रेल उपभोक्ताओं से मुलाक़ात की और स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने लाखाबावल-जामनगर के बीच समपार फाटक नं 206 पर संरक्षा विभाग द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक को देखा तथा उनकी टीम की सराहना करते हुए बताया की इनकी जागरूकता, लगन व मेहनत से हमें संरक्षा के प्रति नागरिकों को जागरूक करने में मदद मिलती है। जामनगर स्टेशन पर उन्होने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की महिला रेलकर्मियों के उपयोग के लिए बनाए गए 'लेडीज़ चेंजिंग रूम' तथा एक ओपन जिम व गार्डन का उधघाटन किया। आरपीएफ द्वारा आयोजित डॉग शॉ में दिखाया गया किस तरह रेल यात्रियों की सुरक्षा हेतु स्निफर डॉग का उपयोग किया जाता है जिसकी श्री कंसल ने भरपूर सराहना की। । उन्होने जामनगर स्टेशन पर नवस्थापित एक हैल्थ एटीएम का भी उधघाटन किया गया जिसके माध्यम से रेलयात्रियों को बी.पी, डाइयबिटीस इत्यादि रोगों की तुरंत रिपोर्ट मिल जाती है। हापा में उन्होने नवीनीकृत स्पोर्ट्स ग्राउंड व चिलड्रन पार्क, रेलकर्मियों के लिए नवनिर्मित टाइप घ्छ क्वार्टर, हैल्थ यूनिट में रोगियों की नियमित जांच हेतु नवनिर्मित पीएमई रूम, रेल विद्युतीकरण प्रोजेक्ट से संबंधित ओवरहैड ईक्विपमेंट डिपो का उधघाटन व वहाँ पर वृक्षारोपण किया। साथ ही उन्होने ट्रेकशन डिस्ट्रिब्यूशन और लोको से संबंधित बुकलेट का विमोचन किया। श्री कंसल ने विभिन्न विभागों द्वारा किए गए गुड वर्क एवं राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होने राजकोट मंडल की I-पत्रिका 'सौराष्ट्र संगम' के चतुर्थ अंक का विमोचन किया और महादेवी वर्मा हिंदी पुस्तकालय का उधघाटन किया। इस दौरान मंडल के हापा व जालियादेवाणी स्टेशनों के बीच 120ख्श्र्ड्ढ की गति से स्पीड ट्रायल भी किया गया। उन्होने खंडेरी स्टेशन का निरीक्षण किया और स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया में नवनिर्मित गार्डन का उधघाटन किया। इस अवसर पर उन्होने गेटमेन के लिए उपयोगी हैंडबुक तथा स्टेशन मास्टर के लिए गाइड बुक का विमोचन किया। श्री कंसल द्वारा पड्धरी में नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर का वर्चुअल रूप से उधघाटन किया गया। राजकोट स्टेशन पर उन्होने यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। अपने निरीक्षण के दौरान कंसल ने रेलवे सलाहकार समिति के सदस्यों, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन, एसोसिएशन, प्रेस व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा गणमान्य नागरिकों से मुलाकात की व ज्ञापन स्वीकार किए। इस वार्षिक निरीक्षण के दौरान श्री कंसल के साथ मुख्यालय से आये विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

९ टापू पर प्रतिबंध लगाया गया था
मरीन नेशनल पार्क पर चार वर्ष के बाद प्रतिबंध हटाया गया
यह टापू पर चार वर्ष पहले एक धर्मस्थान के पास प्रशासन की जानकारी के बाहर एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया गया था

अहमदाबाद, १६ दिसंबर।

गुजरात में कई देखने लायक जगह है। जो बारहों महीना यात्रियों से हाउसफुल रहता है। इसमें जामनगर का फेमस मरीन नेशनल पार्क भी है, जिसमें पीरोटन टापू स्थित है। यह टापू पर जाने के लिए पिछले चार वर्ष से प्रतिबंध था। आखिर में यह पीरोटन टापू पर से प्रतिबंध हटा दिया गया है। प्रकृति प्रेमियों के लिए चार वर्ष बाद अब यह टापू पर जा सकते है। जामनगर जिला भारत की पश्चिम अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा पर स्थित अतिसंवेदनशील जिला है। जिले में कुल ९ समुद्री टापू स्थित है। जिसमें से एक सिर्फ पीरोटन टापू में मानव आबादी जबकि ९ टापू मानव आबादी नहीं है। यह निर्जन टापूओं पर कई धार्मिक स्थल स्थित होने से अक्सर धार्मिक प्रसंग और दर्शन करने के लिए आते है। यह टापू पर चार वर्ष पहले एक धर्म स्थान के पास प्रशासन की जानकारी के बाहर एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया गया था। जिसकी वजह से वन विभाग ने वहां जाने पर प्रतिबंध लगाया था। अब यह टापूओं पर राष्ट्रविरोधी और तस्करी सहित की गैरकानूनी और असामाजिक प्रवृत्ति करते शख्स आसानी से आश्रय मिले और हथियारों और नशाकारक पदार्थ छिपाने के लिए उपयोग करे ऐसी पूरी संभावना है। इसी वजह से राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में लेकर और आतंकवादी और देशद्रोही प्रवृत्ति रोकने के लिए ९ टापू पर प्रवेश के लिए लिखित मंजूरी लेने के बाद प्रवेश किया जा सकेगा इस अनुसार अध्यादेश अपर जिला दंडाधिकारी राजेन्द्रसिंह सरवैया द्वारा जारी किया गया था। इस अनुसार यह सभी ९ टापू पर उपपुलिस अधीक्षक की लिखित पूर्वमंजूरी बिना प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। १३ दिसंबर को राज्य के चीफ वाइल्ड लाइफ वोर्डन द्वारा टापू पर यात्रियों को जाने का प्रतिबंध हटाता प्रतिबंध जारी किया गया है। जिसकी वजह से अब प्रकृति प्रेमियों के लिए यहां आने का रास्ता आसान हो गया है। यह स्थल पर अधिकतर पर्यटक मरीन लाइफ शिक्षा के लिए आते हैं।

राइड द रेवोल्यूशन होम, ओला एस1 की डिलीवरी आज से शुरू

बेंगलुरु, 15 दिसंबर 2021 - भारत में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की अग्रणी निर्माता कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज से ओला एस1 स्कूटरों की डिलीवरी शुरू कर दी है। पहले 100 ग्राहकों के लिए आज बैंगलोर और चेन्नई में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां वे अपने दोस्तों और परिवार के साथ अपने क्रांतिकारी ओला एस1 और एस1 प्रो की सवारी करने आए।

वरुण दुबे, मुख्य विपणन अधिकारी, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, ठआज का दिन उन लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है जो हमारे साथ क्रांति में शामिल हुए हैं क्योंकि हम आज से ओला एस1 की डिलीवरी शुरू कर रहे हैं। हम अपने ग्राहकों के हाथों में उनकी डिलीवरी विंडो के अनुसार स्कूटर प्राप्त करने के लिए ओला फ्यूचरफैक्ट्री में उत्पादन बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का हिस्सा बनने और स्थायी स्वच्छ गतिशीलता के लिए इस बदलाव में तेजी लाने में हमारी मदद करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। यह क्रांति की सिर्फ शुरुआत है, और यहां से हम ग्राहकों को एक सहज, सुविधाजनक और समय पर डोरस्टेप डिलीवरी और स्वामित्व का अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।

टेक्नो ने ऑल-न्यू स्पार्क 8ऊ लॉन्च किया, इस स्मार्टफोन में पहली बार 50 एमपी का एआई डयूल रियर कैमरा और 6.6 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले है

नई दिल्ली, 15 दिसंबर 2021: ग्लोबल प्रीमियम स्मा र्टफोन ब्रैंड टेक्नोख ने अपने सबसे मशहूर 'स्पाहर्क सीरीज' पोर्टफोलियो के तहत एक और ऑल-राउंडर स्माोर्टफोन ऑल-न्यूम स्पालर्क 8T को लॉन्चन किया है। इसकी कीमत 8,999 रुपये है। इस फोन में सेगमेंट में कई फीचर्स पहली बार दिए जा रहे हैं, जिसमें 50 एमपी का डयूल रियर हाई रिजोल्यूशन कैमरा, 6.6 एफएचडी डिस्प्ले, गेमिंग के लिए खासतौर पर बनाया गया हेलियो जी-35 प्रोसेसेर और विशालकाय 5000 एमएएच की बैटरी शामिल है। टेक्नोर इस लॉन्च5 के साथ फिर वही काम कर रहा है, जो वह सबसे बेहतरीन अंदाज में करता है। कंपनी ने सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स के पहले से बने हुए खांचों को तोड़ा है, जिससे इसने 5-10 हजार रुपये के वर्ग में शीर्ष 5 स्मा र्टफोन कंपनियों में अपनी स्थिति सुदृढ़ की है। स्पार्क 8ऊ को भारत में जेनरेशन जेड के उपभोक्ता ओं को एक बेहतरीन मनोरंजन अनुभव प्रदान करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है।

स्पार्क सीरीज के स्मार्टफोन किफायती सेगमेंट में बेहतरीन कैमरे, डिस्प्ले और ओवरऑल स्मार्ट फोन का अनुभव देने के लिहाज से डिजाइन दिए गए हैं। टेक्नो स्पार्क 8T स्पार्क 7T का प्रमुख तौर पर किया गया अपग्रेडेशन है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95